दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 301/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, शुक्रवार 23 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

इतने सालों बाद अमूल गर्ल की आंखों से आंसू क्यों टपके?

अमूल के विज्ञापन में सभी ने एक लड़की को देखा होगा। उसके साथ टैग लाइन होती है 'अटरली बटरली अमूल!' इस लड़की को किसी ने कभी रोते हुए नहीं देखा। लेकिन, 1966 के बाद पहली बार ये लड़की रोई। क्योंकि, उसे जन्म देने वाले सिलवेस्टर डाकुन्हा ने 80 साल की आयु में मंगलवार को दुनिया को अलविदा कहा। मुंबई में मंगलवार की रात उनका निधन हो गया।

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन(जीसीएमएफ) के एमडी जयेन मेहता ने इसकी पुष्टि की। जीसीएमएफ ही अमूल ब्रांड की मालिक है। उन्होंने कहा 'बड़े दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि डाकुन्हा कम्युनिकेशन के चेयरमैन सिलवेस्टर डाकुन्हा का मंगलवार की रात निधन हो गया।'

उन्होंने आगे लिखा वे भारतीय एडवर्टाइजिंग इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित व्यक्ति थे, जो 1960 से ही अमूल के साथ जुड़े थे। पूरा अमूल परिवार इस शोक में शामिल है। वहीं, अमूल के पूर्व एमडी और वर्तमान में इंडियन डेयरी एसोसिएशन के प्रेसिडेंट ने 'अमूल गर्ल' की रोते हुए एक तस्वीर ट्वीट की। इसके अलावा कांग्रेस नेता जयराम रमेश और टीएमसी के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने भी ट्वीट कर डाकुन्हा को याद किया और निधन पर शोक जताया।

पत्नी के साथ बनाया कैंपेन- सिलवेस्टर डाकुन्हा ने अपनी पत्नी निशा के साथ मिलकर 'अटरली-बटरली' कैंपेन के आइडिया को शक्ल दी थी। ये 1966 की बात है, जब उन्होंने इस टैगलाइन के साथ 'अमूल गर्ल' को दुनिया के सामने भेजा। यह कैंपेन पूरे भारत में हिट हुआ। आज भी अमूल गर्ल और यह टैगलाइन सबकी जुबान पर रहती है और इन्हें देखते ही लोग ब्रांड अमूल को पहचान जाते हैं।

कैसे आई ये टैगलाइन

सिलवेस्टर डाकुन्हा 1966 में एक एडवर्टाइजिंग व सेल्स प्रमोशन कंपनी के मैनेजर थे। जब अमूल का काम उनके पास आया तो डाकुन्हा चाहते थे कि कुछ ऐसी टैगलाइन तैयार की जाए, जो आसानी से लोगों की जबान पर चढ़े। पहले अमूल की टैगलाइन 'प्योरली द बेस्ट' थी। डाकुन्हा की पत्नी ने 'अटरली अमूल' का सुझाव दिया। इसके साथ डाकुन्हा ने 'बटरली' भी जोड़ दिया और अमूल को 'अटरली बटरली अमूल' टैगलाइन मिल गई।

अमूल गर्ल का जन्म

डाकुन्हा अमूल के इस मैस्कॉट को बच्चों और औरतों पर केंद्रित करना चाहते थे, इसलिए अमूल गर्ल का जन्म हुआ। अमूल गर्ल को डिजाइन करने का श्रेय आर्ट डायरेक्टर और कार्टूनिस्ट यूस्टेस फर्नांडिस को जाता है। पोल्का डॉट वाला फ्रॉक, बड़ी आंखें, मैचिंग रिबन और लाल जूते वाली अमूल गर्ल का पोस्टर सबसे पहले मुंबई के लैंप पोस्ट्स पर चिपकाया गया। इसके बाद अमूल गर्ल भारतीय एडवरटाइजिंग के क्षेत्र में एक नजीर बन गई! आज भी यही अमूल गर्ल अमूल की पहचान है।

आखिर एसडीएम निशा बांगरे ने क्यों दिया इस्तीफा?

छतरपुर। जिले के लवकुश नगर में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे ने पद से इस्तीफा दे दिया। निशा बांगरे ने इस्तीफे में जिक्र किया कि उन्हें अपने ही घर के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अनुमति न देने और धार्मिक भावनाओं के अनुरूप धार्मिक कार्यक्रम की अनुमति न देने के कारण इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग को इस्तीफा भेज दिया है।

निशा बांगरे मध्यप्रदेश की चर्चित अधिकारी हैं। उन्होंने संविधान को साक्षी मानकर शादी की थी। इसके साथ निशा के चुनाव लड़ने की भी अटकलें थीं। लेकिन, इस बार उन्होंने इस्तीफा छुट्टी नहीं मिलने की वजह से दिया। माना जा रहा है कि यह तो इस्तीफे की वजह का बहाना है। असल में उनके इस्तीफे की चर्चा तो पिछले कुछ महीनों से लगातार चल रही है।

निशा बांगरे के घर का गृह प्रवेश 25 जून को बैतूल जिले के आमला में तय था, जिसके लिए उन्हीं छुट्टी नहीं मिली। अपने इस्तीफे में निशा बांगरे ने इस बात का जिक्र किया कि उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। इस वजह से वे अपने पद से इस्तीफा दे रही हैं। वर्तमान में निशा बांगरे छतरपुर जिले के लवकुश नगर में एसडीएम के पद पर पदस्थ हैं। निशा बांगरे कुछ दिनों पहले तब सुर्खियों में आई थी, जब बैतूल जिले की आमला विधानसभा सीट से उनके चुनाव लड़ने की बात सामने आई।

निशा बांगरे ने बताया कि उनके मकान का उद्घाटन होना था। इसके लिए उन्होंने प्रशासन को छुट्टी के लिए एक आवेदन दिया था। इसके बाद भी उन्हें छुट्टी नहीं दी गई। निशा बांगरे ने जानकारी देते हुए बताया कि थाईलैंड से भीमराव अंबेडकर की अस्थियां आनी हैं। इसीलिए एक कार्यक्रम के माध्यम से उसमें शामिल होना चाहती थी। लेकिन, प्रदेश शासन ने छुट्टी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दिया। फिलहाल शासन ने अभी उनका का इस्तीफा मंजूर नहीं किया है।

निशा के मामले में यह देखना दिलचस्प होगा कि जिस प्रकार सरकार ने डायरेक्टर जनरल पुलिस स्तर के अधिकारी पुरुषोत्तम शर्मा का वीआरएस मंजूर नहीं किया वैसा ही क्या निशा का इस्तीफा भी मंजूर नहीं होगा? क्योंकि शर्मा के मामले के समान ही निशा के भी चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट पिछले कई महीनों से चल रही है।

पटना में विपक्षी पार्टियों की बैठक शुरू

नीतीश, लालू, राहुल, खड़गे, पवार, ममता, केजरीवाल, अखिलेश, उद्धव पहुंचे... नीतीश बने यूपीए के संयोजक?

पटना। पटना में विपक्षी पार्टियों की पहली बड़ी बैठक मुख्यमंत्री आवास 1 अणे मार्ग में शुरू हो गई है। इसमें 15 पार्टियों के नेता मौजूद हैं। बैठक 5 घंटे तक चलेगी। इसमें भाजपा के खिलाफ लड़ने का रोडमैप तैयार किया जाएगा। बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री नेता एम के स्टालिन, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, डी राजा, दीपांकर भट्टाचार्य और महबूबा मुफ्ती। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, एनसीपी के शरद पवार और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, सपा के अखिलेश यादव, शिवसेना के उद्धव ठाकरे, झामुमो के हेमंत सोरेन शुक्रवार को पटना पहुंचे। बिहार से सीएम से नीतीश कुमार और राजद से तेजस्वी यादव बैठक में शामिल हैं। बैठक में लालू यादव भी पहुंच गए हैं। इसमें नीतीश कुमार को संयुक्त विपक्ष का संयोजक नियुक्त किया गया है।

बैठक में शामिल सभी दलों के नेताओं को बोलने का वक्त मिले, इसका खास ख्याल रखा गया है। बैठक का मुख्य उद्देश्य भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करना है। इसके लिए नए सिरे से विपक्षी दलों को एकजुट किया जा रहा है। बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से विपक्षी एकजुटता का नाम क्या हो? इसकी अगुआई कौन करेंगे। इस पर फैसला हो सकता है। साथ ही चुनाव में टिकट के फार्मूले और कॉमन मिनिमन प्रोग्राम पर भी चर्चा हो सकती है।

हम सब मिलकर भाजपा को हराएंगे: राहुल गांधी

राहुल और खड़गे पहले एअरपोर्ट से सीधे कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। यहां राहुल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर भाजपा को हराएंगे। देश में दो विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ कांग्रेस की भारत जोड़ो विचारधारा है तो दूसरी ओर भाजपा-आरएसएस की भारत तोड़ो। राहुल गांधी ने समर्थकों से पूछा कैसा है। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस पार्टी का जो डीएनए है वह बिहारी है। आपने हमारी भारत जोड़ो यात्रा में बहुत मदद की, इससे लिए धन्यवाद। जहां भी गया, वहां बिहार के लोग मिले, वो हमारे साथ चले। यात्रा में आपने हमारी मदद की। क्यों कि, आप विचारधारा को मानते हो। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा हिन्दुस्तान को तोड़ने का काम कर रही है। नफरफ और हिंसा फैलाने का काम कर रही है। कांग्रेस देश को जोड़ने का काम कर रही है। मोहब्बत बांटने का काम करती है। क्योंकि नफरत को नफरत से नहीं काटा जा सकता है।

चंद्रशेखर नहीं पहुंचे

बैठक में तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के नहीं पहुंचने की खबरें आ रही हैं। दो और विपक्षी नेता अभी तक नहीं पहुंचे हैं।

जेपी नड्डा का तंज

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, आज मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ... ये विपक्षी बिहार में गलबहियां कर रहे हैं, लेकिन ये भूल गए कि लालू प्रसाद यादव को राहुल गांधी की दादी ने 22 महीने के लिए जेल में डाला था। नीतीश कुमार 20 महीने के लिए जेल की सलाखों के पीछे थे। आज पटना की धरती पर जब मैं राहुल गांधी का स्वागत करते हुए इनकी तस्वीरें देखता हूं तो लगता कि राजनीति में क्या से क्या हो गया।

300 से अधिक सीटों के साथ मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष की बैठक पर कहा कि आज पटना में फोटो सत्र चल रहा है। वे प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं विपक्षी नेताओं से कहना चाहता हूं कि कितना भी साथ हो लो आपकी एकता संभव नहीं है। अगर एकता संभव हो भी गई तब भी कोई फायदा नहीं है। साल 2024 में मोदी 300 से अधिक सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पत्रकारों से कहा कि यह बेहद हास्यपद है कि कांग्रेस की छत्रछाया में कुछ ऐसे नेता एकत्र हो रहे हैं, जिन्होंने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की हत्या का नजारा देखा था। यह हास्यपद है कि वो लोग एकजुट होंगे, जो राष्ट्र को यह संकेत देना चाहते हैं कि उनकी स्वयं की क्षमता पीएम मोदी के आगे विफल है।

बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित

डॉ. मुखर्जी के आदर्शों पर चल रही सरकार: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि डॉ. मुखर्जी हमारे आदर्श हैं और उनके बताए हुए मार्ग व आदर्शों पर ही भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकार चल रही है और उनके सपनों को पूरा करने का काम कर रही है। वे आज डा. मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने स्थित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित पार्टी पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया। जिसके पश्चात् प्रदेश कार्यालय प्रांगण में स्थित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज ऐसे सपूत को श्रद्धांजलि देने हम यहां एकत्रित हुए हैं जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी। डॉ. ध्यामा प्रसाद मुखर्जी मौलिक चिंतक, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थे। उन्होंने ही भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी, आज हम सबको यह कहते हुए प्रसन्नता है कि डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर से धारा-370 हटाने को लेकर जो बलिदान दिया था, भारतीय जनता पार्टी की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी सरकार के नेतृत्व मे उस संकल्प को पूरा किया है। कश्मीर से धारा-370 हटी है।

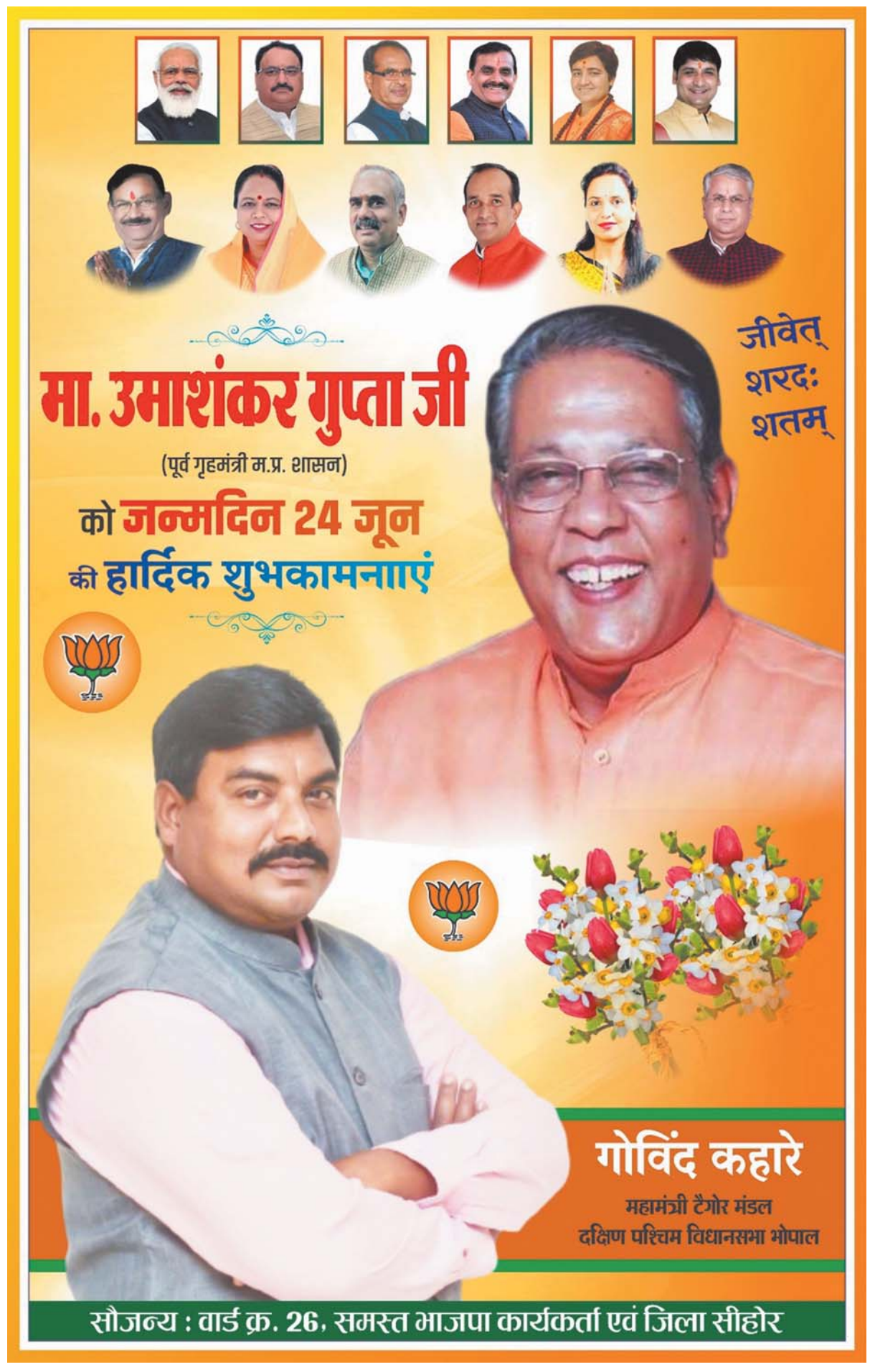

भाजपा के पूर्व विधायक ध्रुव प्रताप कांग्रेस में शामिल

भोपाल। पूर्व सीएम कैलाश जोशी के बेटे दीपक जोशी के बाद अब कटनी जिले में भाजपा से विधायक रह चुके ध्रुव प्रताप सिंह और कद्दावर नेता शंकर महतो ने कांग्रेस जॉइन कर ली। दोनों ने कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और डॉ. गोविंद सिंह की मौजूदगी में शुक्रवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। ध्रुव कटनी जिले की विजयराघवगढ़ सीट से विधायक रह चुके हैं, जबकि शंकर महतो बहोरीबंद के कद्दावर नेता में गिने जाते हैं।

ध्रुव प्रताप सिंह ने कहा, 5 साल से भाजपा अपनी मूल विचारधारा से हट चुकी है। उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा पर हमला करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी का संगठन इस समय सबसे निचले स्तर पर है। वीडी शर्मा बिना मैदानी अनुभव सांसद और प्रदेशाध्यक्ष बन गए।

भोपाल में लगे कमलनाथ वॉन्टेड के पोस्टर, क्यूआर कोड दिया

भोपाल। राजधानी में कमलनाथ वॉन्टेड के पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर पर क्यूआर कोड भी दिया है। इस पर लिखा है- स्कैम से बचने के लिए स्कैन करें। पोस्टर्स में पूर्व सीएम कमलनाथ को करप्शन नाथ लिखा गया। 15 महीने की कमलनाथ सरकार का जिक्र कर घोटाले बताए गए हैं। शुक्रवार को मामला सामने आते ही कांग्रेस, बीजेपी पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस का कहना है कि चुनाव नजदीक आते ही भाजपा अपना वास्तविक चरित्र दिखाने लगी है। हमें छेड़ोगो, तो हम छोड़ेंगे नहीं।

दादाजी धाम मंदिर का 14 वां स्थापना दिवस कल धूमधाम से मनाया जाएगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

राजधानी के रायसेन रोड के पास पटेल नगर भोपाल स्थित दादाजी मंदिर में कल शनिवार को 14 वां स्थापना दिवस पर प्रात: 9:00 बजे से सभी भगवान गणेशजी, मां दुर्गा, सीताराम, शिव पार्वती, लक्ष्मी नारायण, राधे कृष्ण, गायत्री माता, हनुमान जी, अर्धनारीश्वर भगवान, धूनी वाले दादाजी, सांईबाबा, अनंत श्री दादाजी गुरुदेव साईंखेड़ा वाले, मुख्य शिखर पर विराजित चारो धाम द्वारकाधीश जी, बद्रीनाथ जी, जगन्नाथ जी, रामेश्वरम जी एवं गर्भ ग्रह परिक्रमा स्थल में स्थापित सभी संत वेदव्यास जी, कबीर दास जी, तुलसीदास जी, मीराबाई, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, आदि गुरु शंकराचार्य, संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज, महाराजा अग्रसेन जी, परमहंस जी, गुरु नानक देव जी, ऋषि दधीचि, गजानंद महाराज, झूलेलाल जी, श्री राम शर्मा आचार्य जी,अनंतश्री दादाजी गुरुदेव समाधि स्थल।पर अभिषेक, पूजन, हवन, आरती मैं प्राण प्रतिष्ठा के समय उपस्थित सभी यजमानो के द्वारा किया

जाएगा।एवं सभी भगवानों को नवीन वस्त्र पहनाए जाएंगे एवं विशेष श्रृंगार आभूषण द्वारा किया जाएगा एवं मंदिर में विशेष सजावट फूलों द्वारा की जाएगी। बाद मे महाप्रसादी वितरण किया जाऐगा।इस शुभ अवसर पर देश एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से भक्तगण उपस्थित होंगे।आप सभी भक्तगण शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

प्रेमपुरा घाट पर विकसित होगी चौपाटी, बोट क्लब का भी होगा सौंदर्यीकरण

महापौर मालती राय ने अलग-अलग जगह किया दोनों कार्यों का भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

महापौर श्रीमती मालती राय ने प्रेमपुरा घाट पर चौपाटी विकास एवं बोट क्लब के सौंदर्यीकरण कार्य हेतु विधिवत भूमिपूजन किया साथ ही बोट क्लब पर तालाब की रिटर्निंग वॉल पर पेंटिंग भी की। नगर निगम द्वारा उक्त दोनों कार्यों पर क्रमश: लगभग 38 लाख एवं 36 लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय की जा रही है।

नगर निगम द्वारा शहर में पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही नागरिकों को बेहतर से बेहतर पर्यटन व मनोरंजन स्थल उपलब्ध कराने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है। इसी तारतम्य में राजधानी की ऐतिहासिक बड़ी झील के किनारे प्रेमपुरा घाट पर चौपाटी विकसित करने तथा बोट क्लब को और अधिक सुंदर बनाने हेतु बड़े तालाब की दीवारों की आवश्यकतानुसार मरम्मत एवं उन पर आकर्षक पेंटिंग का कार्य कराया जा रहा है। महापौर श्रीमती मालती राय ने गुरूवार सांय पृथक-पृथक कार्यक्रमों में उक्त दोनों कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन किया।

प्रेमपुरा घाट पर चौपाटी विकसित करने के दृष्टिगत खानपान आदि की वस्तुओं के विक्रय हेतु बड़े शेड्स में लगभग 29 स्टॉल (दुकाने) निर्मित की जायेंगी साथ ही पर्यटकों के सुविधायुक्त बैठक आदि की व्यवस्था संबंधी कार्य किए जायेंगे। इसी प्रकार बोट क्लब क्षेत्र में सौंदर्यीकरण हेतु बड़े तालाब की दीवारों की आवश्यकतानुसार मरम्मत एवं दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग्स आदि कराई जा रही है।

भूमिपूजन अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य श्री रविन्द्र यति, जोन अध्यक्ष श्रीमती आरती अनेजा, पार्षद श्रीमती राजमणी उईके सहित निगम अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

धर्मेंद्र वासंदानी बने बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष

संत हिरदाराम नगर । एमईएस बिल्डर्स एसोसिशन ऑफ इण्डिया (रजि.) भोपाल ब्रांच के द्विवार्षिक चुनाव में धर्मेंद्र वासंदानी अध्यक्ष निर्वाचित हुए। अनिल कुमार साहू - वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजय जैन एवं हरीश साहू - उपाध्यक्ष, सुनील कुमार सोनी - मानद सचिव, अनिल कुमार उपाध्याय और कपिल आसुदानी-सह सचिव एवं तपेश उपाध्याय- कोषाध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित हुए। प्रशांत मजूमदार, विमल कुमार मांडिल, हफीज अहमद खान कौंसिल सदस्य निर्वाचित हुए। एस. बलविंदर सिंह एवं चुनाव अधिकारी इंदरजीत सिंह एवं एन के गुप्ता के कुशल संचालन में निष्पक्ष चुनाव संपन्न हुआ। विजयी पदाधिकारियों को पूर्व चैयरमैन पीयूष मिश्रा ने पद गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए सभी सदस्यो से निवदेन किया कि बिल्डर्स हित में हम सबको मिलकर काम करना चाहिए।

झीलों तथा तालाबों के सौन्दर्यीकरण के लिए 10 करोड़ 36 लाख स्वीकृत

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि 7 निकायों में झीलों तथा तालाबों के सौन्दर्यीकरण और जीर्णोद्धार परियोजनाओं के लिए 10 करोड़ 36 लाख की राशि स्वीकृति की गई है। इन निकायों में पाटन, नरसिंहपुर, डीकेन, बरोदियाकला, मालनपुर, दमोह एवं सिवनी शामिल हैं। संबंधित निकायों को स्वीकृत कार्यों के प्राक्कलन की सक्षम तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कर निविदा आमंत्रित करने की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। गौरतलब है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2012 में नगरीय क्षेत्रों में आने वाली झीलों और तालाबों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को नोडल एजेंसी घोषित किया था। झीलों एवं तालाबों का संरक्षण और विकास के सौन्दर्यीकरण और जीर्णोद्धार के कार्य जैसे घाट निर्माण, पिचिंग, पेवर ब्लॉक लगाने, गहरीकरण इत्यादि के कार्य किये जायेंगे।

नशे से मुक्ति के लिए 26 से अभियान

भोपाल। जिले में मद्यपान तथा मादक पदार्थों, नशीली दवाईयां, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज को जागरूक करने के लिए शासन द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। 26 जून 2023 को नशीले पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध व्यापार के विरुद्ध अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य उन प्रभावों को सशक्त करना हैं, जिससे नशीले पदार्थों व नशीली दवाइयों से मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकें।

एडवोकेट माया मदकोरिया को मिला डॉकरेट अवार्ड

भोपाल। एडवोकेट एवं लेखिका माया मदकोरिया को वर्ल्ड एसोशिएशन ऑफ राइटर्स एंड आर्टिस्ट ऑफ द आर्ब पेरू एवं थियोफनी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के द्वारा सामाजिक कार्य एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉकरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। इंटरनेशनल पैडमेंन लीजेंड लीडर प्रो. डॉ. बिरेन दवे जी द्वारा, NCWDC के द्वारा इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान की गई। इस उपाधि के लिए भोपाल बार काउंसिल एवं वरिष्ठ साहित्यकार एवं सभी प्रियजनों और मित्रगणों ने माया मदकोरिया को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

इटया एजुकेशनल इंस्टिट्यूट कॉमर्स के लिए प्रीमियर कोचिंग संस्थान

भोपाल। कॉमर्स कोचिंग के लिए इटया एजुकेशन सेंटर 18 वर्षों से मिनल रेजिडेंसी पर संचालित किया जा रहा है हाल ही में घोषित सीबीएसई एवं बोर्ड परीक्षा परिणामों में कोचिंग संस्थान के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है शत-प्रतिशत परिणाम के साथ अधिकतम का अंक 94 प्रतिशत तक हासिल किए हैं इटया एजुकेशन इंस्टिट्यूट की प्रशासन प्रमुख अंकिता मजूमदार ने बताया कि इंस्टिट्यूट पर सब्जेक्ट की बेसिक पर बहुत ध्यान दिया जाता है जो आगे छात्रों को उच्चतर शिक्षा में सहायक होता है

आदित्य कान्वेंट स्कूल गांधीनगर शिक्षा के बेहतर प्रयास

भोपाल गांधीनगर क्षेत्र में आदित्य कान्वेंट स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन प्रयास कर रहा है आदित्य कान्वेंट स्कूल के संचालक अजय शर्मा ने बताया कि इस स्कूल में छात्रों के लिए कंप्यूटर लैब एवं स्मार्ट क्लास की व्यवस्था की गई है क्योंकि है शहर के पिछड़े एवं गरीब क्षेत्रों के बच्चे पढ़ते हैं इसलिए उनके द्वारा विशेष प्रयास होता है कि पैसों के अभाव में कोई शिक्षा से वंचित ना रहे दसवीं की परीक्षा में छात्र ने 84.2त्न अंक हासिल किए।

1991 से शिक्षा क्षेत्र में सेवा दे रहा संत कबीर मिडिल स्कूल गांधीनगर

भोपाल। पिछले 32 वर्षों से गांधीनगर जैसे पिछड़े क्षेत्र में संत कबीर मिडिल स्कूल शिक्षा के जरिए समाज में बेहतरीन योगदान दे रहा है संत कबीर मिडिल स्कूल गांधीनगर के संचालक मनोज ने बताया कि 1991 में उनके पिताजी द्वारा स्कूल संचालित किया गया अत्यंत पिछड़ा एवं गरीब है इसलिए यहां बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष प्रयास करना पड़ता है जिससे पैसों के अभाव में शिक्षा से वंचित ना रहे

तकनीकी शिक्षक संघ भोपाल कि राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के तकनीकी शिक्षक संघ के सदस्य काली पट्टी लगाकर रोष प्रदर्शन किया।

पंचायत सचिव संगठन की प्रांतीय बैठक संपन्न

भोपाल। पंचायत सचिव संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भोपाल स्थित रोटी भवन पर आयोजित की गई मध्य प्रदेश पंचायत सचिव संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस बैठक में पंचायत सचिवों के विभाग में संविलियन की मुख्य मांग रहे साथी सातवां वेतनमान भी लागू कराने के लिए सरकार से सर्वे करने का प्रयास किया जाए अनुकंपा नियुक्ति एवं मृत्यु होने पर ?1000000 राशि की मांग भी की गई इस साल की बैठक में सभी जिलों ब्लॉक के पदाधिकारी सम्मिलित हुए प्रांतीय महामंत्री धर्मेंद्र जोशी ने कहा कि बैठक में सरकार से समन्वय स्थापित कर इन मांगों को पूरा कराया जाएगा

बिना भेदभाव के संवेदनाओं के साथ समाज सेवा करें: परमार

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने आज भोपाल स्थित प्रज्ञादीप सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान में संघ लोक सेवा आयोग एवं मप्र लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफल विद्या भारती के पूर्व छात्रों के अभिनंदन समारोह में नवचयनित प्रशासनिक अधिकारियों को सम्मानित किया। राज्य मंत्री श्री परमार ने सभी नवचयनित प्रशासनिक अधिकारियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी।

राज्य मंत्री परमार ने कहा कि विद्या भारती में हिंदी भाषा में विद्यालयीन शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों का बड़ी संख्या में प्रशासनिक सेवाओं में चयन होना गौरव की बात है। भाषा सफलता में बाधा नहीं बन सकती, इसलिए इसे कमजोरी न समझकर हीन भावना से बचें। संस्थान ने जो नैतिक मूल्य और संस्कार दिए हैं, उन्हें अब संवेदनाओं के साथ समाज सेवा में उपयोग कर बिना भेदभाव के कार्य करने का महत्वपूर्ण अवसर है। परिवार, समाज एवं विद्यालय का योगदान उन्नति में निहित है, अपने आचरण को आदर्श बनकर ऐसे कार्य करें कि समाज के लिए प्रेरणा बनें। कार्यक्षेत्र में अनेक चुनौतियाँ आयेगी लेकिन नैतिक मूल्यों के आधार पर समरसतायुक्त और शोषणमुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने में अपनी भूमिका का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 में वैभवशाली, गौरवशाली, सर्वसंपन्न, सर्वशक्तिशाली एवं दुनिया का भरण-पोषण करने वाले विश्वगुरु भारत के पुनर्निर्माण के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

अपर मुख्य सचिव श्री जे एन कंसोटिया ने कहा कि प्रदेश की संस्कृति और प्रकृति सर्वोत्कृष्ट है, यहाँ समाज सेवा का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। मातृभाषा ज्ञान प्राप्ति का सरल माध्यम है। चयनित अधिकारी सभी के साथ समान व्यवहार कर समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप आचरण स्थापित कर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक के हितों के लिए कार्य करें।

उपाध्यक्ष विद्या भारती श्री रविन्द्र कान्हेरे, उपाध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल डॉ. रमा मिश्रा, अध्यक्ष स्थायी पाठ्य पुस्तक समिति श्री प्रकाश बरतूनिया, संस्थान के अन्य पदाधिकारी एवं नवचयनित अधिकारियों के परिजन उपस्थित थे। डॉ. नीलाभ तिवारी ने संचालन एवं श्री राम भावसार ने आभार व्यक्त किया।

अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नगरीय निकायों को दिशा-निर्देश जारी

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में समस्त नगरीय निकायों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निकायों को हिदायत दी गई है कि ऐसे सभी भवन, जिनके भवन स्वामियों द्वारा फायर सेफ्टी प्लान एवं फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त कर अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधान नहीं किये हैं, उनको नियमानुसार नोटिस जारी कर जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाये। नोटिस देने के बाद भी यदि भवन स्वामी द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है, तो जिला कलेक्टर को सूचना देकर भवन में संचालित गतिविधियों को बंद कराने के लिए समुचित कार्रवाई की जाये। सभी बहुमंजिला इमारतों में नियमित मॉकड्रिल से जन-समुदाय को जागरूक और प्रशिक्षित किया जाये। बहुमंजिला इमारतों का नियमित निरीक्षण कर फिक्स्ड फायर फायटिंग सिस्टम और स्प्रिंक्लर की स्थिति का आंकलन करने के लिए भी निकायों को कहा गया है। साथ ही अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए दिसम्बर-2022 में जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन और अग्निशामक कर्मचारियों को नवीन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाना विशेषतौर पर सुनिश्चित करने को कहा है।

बुधनी में 9 करोड़ की लागत से बिजली लाइन एवं पोल के कार्य पूर्ण

भोपाल। बुधनी क्षेत्र में प्रत्येक उपभोक्ता को पर्याप्त वोल्टेज पर निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली मिले, इसके लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी दिन-रात काम कर रही है। कंपनी द्वारा राज्य शासन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में प्रज्जवल योजना के तहत बुधनी क्षेत्र में लगभग 9 करोड़ 13 लाख की लागत से 410 पोल लगाकर 25 किलोमीटर से अधिक नई बिजली लाइनें बिछाई गई हैं, जिससे बुधनी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि कंपनी कार्यक्षेत्र के बुधनी क्षेत्र में प्रज्जवल योजना में पारेषण और वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के कार्यों में नसरूल्लागंज, नीलकण्ठ, नारायणपुर, नांदेर, दिगवाड, शाहगंज, आमोन, जवाहरखेड़ा, डोब, पिलीकरार, रेहटी, झोलियखुर्द, बुधनी, शाहगंज, नकतीतलाई, मरदानपुर, सगोनिया, सेमरी आदि क्षेत्रों में नये पोल, बिजली लाइनों एवं इंटरकनेक्शन के कार्य कराये गये हैं। कंपनी ने बताया है कि प्रज्जवल योजना के तहत कराये जा रहे विकास कार्यों से बुधनी क्षेत्र के उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याएँ खत्म होंगी और निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

देश और प्रदेश में हो रहा है चौतरफा विकास : शिवराज सिंह चौहान

बालाघाट में सितंबर में होगा मेडिकल कॉलेज का भूमि-पूजन

अब भांजियों की तरह भांजों को भी मिलेगी स्कूटी

मुख्यमंत्री ने वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का शुभारंभ किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने धर्म और स्वराज के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। भारत के शौर्य और स्वाभिमान की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती की गौरव यात्रा 5 स्थानों से निकाली जाएंगी, जो 26 जून को शहडोल पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून को शहडोल में गौरव यात्रा का समापन करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बालाघाट से वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरता एवं बलिदान गाथा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए गौरव यात्रा का शुभारंभ किया। बालाघाट से गौरव यात्रा को लेकर केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते रवाना हुए। इस अवसर पर गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, बालाघाट जिले के प्रभारी तथा नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण मंत्री की हरदीप सिंह डंग, आयुष एवं जल संसाधन राज्य मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन, सांसद ढाल सिंह बिसेन, राज्यसभा सदस्य श्रीमती कविता पाटीदार, श्रीमती पंकजा मुण्डे उपस्थित थे। रानी दुर्गावती गौरव यात्राएँ 4 अन्य स्थानों छिंदवाड़ा, दमोह के सिंगरामपुर, सीधी के धौहनी एवं यूपी के कलिंजर फोर्ट से आज प्रारंभ हुई। यह यात्राएँ रानी दुर्गावती के जीवन से जुड़े सभी प्रमुख स्थानों से होकर गुजरेगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान निरंतर बढ़ रहा है। नए शक्तिशाली और गौरवशाली भारत का निर्माण हो रहा है। आज का भारत प्रतिद्वंदी राष्ट्रों को मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। प्रधानमंत्री मोदी की नीति है कि हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, मगर कोई आँख दिखाता है, तो उसे छोड़ेंगे नहीं। भारत ने जिस प्रकार अत्यंत कम समय में कोविड का टीका बना कर सारी दुनिया को उपलब्ध कराया, यह मानवता की बड़ी सेवा है और इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद के पात्र है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि देश और प्रदेश में चारों ओर विकास हो रहा है, एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रदेश में पहले गड्ढों में सड़क थी, सिंचाई के पर्याप्त साधन भी नहीं थे। आज गुणवत्ता पूर्ण सड़कों का जाल है और सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार किसानों को हर तरह की सुविधा दे रही है। उन्हें 0त्न ब्याज पर फसल ऋण दिया जा रहा है। अब गर्मी की धान की भी हम समर्थन मूल्य पर खरीदी करेंगे। किसानों को दी जाने वाली सम्मान निधि की राशि भी अब वर्ष में 6 हजार रुपये कर दी गई है, 6 हजार रूपये केंद्र सरकार देती है, इस प्रकार अब किसान भाइयों को वर्ष में 12 हजार रूपये मिलेंगे। बालाघाट क्षेत्र का तेज गति से विकास हो रहा है। सितंबर में यहाँ मेडिकल कॉलेज का भूमि-पूजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में एक हजार रूपये की राशि बहनों के खातों में अंतरित की जा रही है। आगामी समय में इस राशि को बढ़ाकर धीरे-धीरे 1250, 1500, 1750, 2000, 2250, 2500, 2750 और 3000 रूपये कर दिया जाएगा। प्रदेश में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में सरकारी पदों पर भर्ती की जा रही है। स्व-रोजगार योजनाओं का फायदा दिया जा रहा है और अब युवाओं के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना प्रारंभ की गई है। इसमें पढ़े-लिखे युवाओं को कार्य सीखने के साथ ही प्रतिमाह 8 हजार से 10 हजार रूपये तक मानदेय दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि सरकार कक्षा 12वीं के मेधावी बच्चों को लैपटॉप दे रही है। विद्यालयों में प्रथम आने वाली भांजियों को स्कूटी दी जा रही है। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि भांजों को भी स्कूटी दी जाएगी।

सांसद वी.डी. शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश में सरकार हर गरीब के जीवन को बदलने का अभियान चला रही है। हर गरीब को सशक्त और सक्षम बनाना है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण हमारी सरकार के प्रमुख लक्ष्य हैं। प्रदेश में हर गरीब के सर पर पक्की छत की व्यवस्था की गई है, साढ़े 3 करोड़ गरीबों को मकान उपलब्ध करा दिया गया है। बीमारी के इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना में निजी अस्पतालों में भी वर्ष में 5 लाख रूपये तक के इलाज की सुविधा दी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का आगमन प्रदेश के लिए सौभाग्यशाली : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 27 जून को मध्यप्रदेश आगमन हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी भोपाल से 2 वंदे भारत ट्रेन प्रारंभ करेंगे, वे यहाँ बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद भी करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री 27 जून को ही शहडोल के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वहाँ रानी दुर्गावती गौरव यात्राओं का समापन होगा और रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी दो अभियान लाँच करेंगे। सिकल सेल रोग से पीड़ित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग और इलाज की व्यवस्था के लिए सिकिल सेल मिशन लाँच किया जाएगा। मध्यप्रदेश में एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनकर तैयार हैं। प्रधानमंत्री द्वारा इन आयुष्मान कार्डों के वितरण का प्रारंभ प्रतीकात्मक रूप से किया जाएगा। इसी समय सभी हेल्थ वेलनेस सेंटर, पंचायतों तथा शहरों के वार्डों में कार्डों का वितरण होगा। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत अभियान में परिवार का इलाज पाँच लाख रूपये तक निःशुल्क किया जाता है। मुख्यमंत्री चौहान श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में मीडिया कर्मियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 27 जून को शहडोल में सायं लखपति दीदियों से संवाद करेंगे। महिला स्व-सहायता समूह में जिन दीदियों की वार्षिक आय एक वर्ष में एक लाख रुपये से अधिक होती है, उन्हें लखपति दीदी कहा जाता है। दीदियों ने मेहनत और परिश्रम से अपनी आर्थिक स्थिति सुधारी है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट लागू हुआ है, कई ग्राम सभाओं ने तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य किया है, ऐसी ग्राम सभाओं से भी प्रधानमंत्री मोदी का संवाद होगा। प्रधानमंत्री मोदी शहडोल के आस-पास गाँव-गाँव में सक्रिय फुटबाल क्लबों के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे। साथ ही जनजातीय समाज के मुखियाओं से भी चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 9 साल पूर्ण हुए हैं। इन 9 वर्ष में वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न, समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण हुआ हैं। प्रधानमंत्री मोदी का मध्यप्रदेश आगमन हम सबके लिए सौभाग्य का विषय है।

अंतर्राज्यीय लायसेंस प्रक्रिया को सरल बनाने पर कार्य करें : किदवई

अपर सचिव कृषि ने की राष्ट्रीय कृषि बाजार ई-नाम की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ई-नाम को और अधिक सशक्त बनाने के लिये अंतर्राज्यीय व्यापार को सुगम बनाया जाये। मण्डी व्यापारियों के लिये लायसेंस प्रक्रिया को सरल करने पर कार्य करें। केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना राष्ट्रीय कृषि बाजार ई-नाम की कृषि मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव फैज अहमद किदवई ने मण्डी बोर्ड मुख्यालय में समीक्षा करते हुए यह बात कही। बैठक में प्रबंध संचालक मण्डी बोर्ड जी.व्ही. रश्मि सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में ई-नाम की समीक्षा करते हुए किसानों द्वारा लाई गई कृषि उपज का प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण, सर्विस प्रोवाइडर, प्लेटफार्म टू प्लेटफार्म, ग्रिवेन्स रिड्रेसल मेकेनिज्म सहित कई अन्य विषयों पर चर्चा की गई। एमपी फार्मगेट एप के बारे में विस्तार से बताया गया। अपर सचिव कृषि किदवई ने मण्डी बोर्ड द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का भोपाल आगमन पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लखन सिंह मीणा, शाहवर आलम, कृष्णा घाटगे आदि ने स्वागत किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आज मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। श्री राजन ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 के अंतर्गत प्रारंभिक गतिविधियां चल रही हैं। 2 अगस्त को प्रदेश के सभी 64 हजार 100 मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा और 2 अगस्त से 31 अगस्त तक सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्र पर उपस्थित रहेंगे और मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन के लिए आवेदन लेंगे। 4 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

बैठक में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सभी 52 जिलों में ईवीएम, व्हीव्हीपीएटी की फर्स्ट लेवल चेंकिंग, मतदान केंद्रों के भौतिक सत्यापन, नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए मिले फॉर्मों, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों और राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी गई।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की इकाई नंबर 10 ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

250 दिनों से सतत् विद्युत उत्पादन कर रही है इकाई

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के इतिहास में पहली बार किसी विद्युत इकाई ने 250 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया है। यह इकाई सतपुड़ा ताप विद्युत

गृह सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 4 की 250 मेगावाट स्थापित क्षमता की इकाई क्रमांक-10 है। इस इकाई ने गत दिवस 21 जून को 250 दिन अनवरत विद्युत उत्पादन करते हुए सर्वाधिक दिन अनवरत संचालित रहने का रिकॉर्ड बनाया। यह इकाई 15 अक्टूबर 2022 से लगातार संचालित होकर विद्युत उत्पादन कर रही है। इस इकाई ने पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में भी 200 दिन से अधिक विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान स्थापित किया था। पीएएफ, पीएलएफ एवं ऑक्जलरी खपत में मिली उपलब्धि-इकाई नंबर-10 ने संचालन के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय प्रदर्शन करते हुए प्लांट अवेलिविलिटी फेक्टर (पीएएफ), प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) तथा ऑक्जलरी कंजम्पशन जैसे मापदंडों में विशिष्टता अर्जितकी। इकाई नंबर-10 ने 101.07 प्रतिशत पीएएफ, 97.8 प्रतिशत पीएलएफ तथा 7.75 प्रतिशत ऑक्जलरी खपत अर्जित की।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे एवं मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की इकाई नंबर-10 द्वारा लगातार 250 दिन विद्युत उत्पादन करने के कीर्तिमान बनाने पर इकाई के समस्त अभियंताओं और कार्मिकों को बधाई दी है।

भवन विकास निगम के इंजीनियर्स आईआईएम में सीखेंगे प्रबंधन के गुर

भोपाल। मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के इंजीनियर्स अब आई.आई.एम. इंदौर में मानव संसाधन का बेहतर प्रबंधन सीखेंगे। इसके लिये आज इंदौर में निगम के प्रबंध संचालक श्री चंद्र मोहन ठाकुर और इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय के मध्?य समझौता (एमओयू) पर हस्?ताक्षर किए गए। आई.आई.एम. एमओयू के आधार पर आईआईएम इंदौर भवन विकास निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने के साथ प्रबंधन सलाहकार के रूप में सहयोग देगा। आईआईएम इंदौर द्वारा दक्षता ऑडिट और मानव संसाधन के विश्लेषण में भी सहयोग किया जायेगा। निगम के प्रबंध संचालक ठाकुर ने कहा कि आईआईएम इंदौर द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से निगम के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मियों को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि आईआईएम निगम द्वारा संचालित परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन भी करेगा।

खेल संघर्षशीलता एवं मानवीयता की भावना का विकास होता है : योग गुरु महेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है । योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर सभी समाज की जयंती, महापुरुषों की जयंती, सभी धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय पर्व उत्साह पूर्वक मनाये जाते है, स्वच्छता, नशामुक्ति वृक्षारोपण, पर्यावरण, शिक्षा, खेलकूद जैसे विषय पर जागरूकता अभियान एवं सभी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस धूमधाम से मनाते हुए साधकों स्वस्थ रहते हुए सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया जाता है । अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि खेलों से साहस, उत्साह, सम्मान, निष्पक्षता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, आज्ञाकारिता, संघर्ष-भावना, विजय की आकांक्षा, संगठन, उद्देश्य आदि चारित्रिक विशेषताओं का सहज ही समावेश हो जाता हैं । ये गुण ही मानव के भावी जीवन की सफलता के प्रतीक हैं,ओलंपिक खेल का आयोजन प्रति चार वर्षो में अंतराष्ट्रीय खेल समिति द्वारा किया जाता है. यह विश्व में होने वाली अग्रणी खेल प्रतियोगिता है, इसमे 200 से अधिक देश हिस्सा लेते है।

इंडस गार्डन कॉलोनी फेज एक बाबड़िया कलां में भी हुआ कार्यक्रम

इंडस गार्डन कॉलोनी फेज एक बाबड़िया कलां में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग गुरु महेश अग्रवाल ने योग अभ्यास करवाया एवं सभी उपस्थित साधकों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया इस अवसर पर प्रमुख रुप से इस अवसर पर प्रमुख रूप से कालोनी अध्यक्ष रमन श्रीवास्तव, वरिष्ठ योग गुरु पुष्पा भदौरिया रमेश कुमार साहू, राजेंद्र खले , सविता गुप्ता, विमला साहू, मनीषा श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, किरण जौहरी,अरुण बापट , गौरी बापट, राजीव सेठ ,अजित श्रीवास्तव , ओ पी श्रीवास्तव ,सुनीता जैन , के पी तिवारी , उर्मिला सिंह, दीप्ती दूरवार, प्रीति सेठ, मंजू श्रीवास्तव, निशा सिंघई, ज्योति खरे, सुनीता तेजवानी, आरती नायक, मंजू श्रीवास्तव, नमिता कुमार, उषा सक्सेना, चन्द्रकांता शर्मा सहित कालोनी के सभी सम्मानीय सदस्य एवं बच्चें उपस्थित रहें

एम्स के डॉ. वरुण मल्होत्रा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गंगटोक में प्रेरणादायक ऑनलाइन टॉक दी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के फिजियोलॉजी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा ने 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 के अवसर पर एक मनोरम ऑनलाइन व्याख्यान दिया । उनके व्याख्यान का विषय था 卐मैट से परे योग और ध्यान के वैज्ञानिक साक्ष्य की खोज卐 । इस वेबिनार का आयोजन सिक्किम मनिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (स्ब्ब्स्स) गंगटोक, सिक्किम द्वारा किया गया था । इस आयोजन के आयोजन अध्यक्ष एसएमआईएमएस में फिजियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार थे ।

डॉ. वरुण मल्होत्रा योग और इसके वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं, और उनकी बातचीत शारीरिक अभ्यास से परे योग और ध्यान के गहरे प्रभाव पर प्रकाश डालती है । साक्ष्य-आधारित शोध पर जोर देते हुए, डॉ. मल्होत्रा ने नियमित योग और ध्यान अभ्यास से जुड़े कई स्वास्थ्य लाभों पर गहराई से चर्चा की, जो कि योग की पारंपरिक धारणा से परे केवल एक शारीरिक व्यायाम है ।

स म्पा द की य

अनुसूचित जाति के कारण उपेक्षा की गई?

मैं अनुसूचित जाति की हूं, इसलिए मेरी उपेक्षा की गई, और यह पहली बार की बात नही...ऐसा पहले भी हुआ, जिला प्रशासन के इस बर्ताव से मैं बहुत आहत हुई हूं...ये कहना है राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मिक का। क्या वाकई ऐसा हुआ है? यदि प्रशासन में बैठे लोग ऐसा करते हैं तो यह न केवल निंदनीय है, अपितु इस मामले में सख्त कार्रवाई होना चाहिए।

एक खबर के अनुसार राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मिक ने जबलपुर में हुई घटना का ब्यौरा दिया। उन्होंने बताया- मैं छिंदवाड़ा में थी तब मेरे पास जबलपुर अपर कलेक्टर का फोन आया था, उन्होंने मुझसे पूछा कि 21 जून को उपराष्ट्रपति जबलपुर आ रहे हैं आप क्या जबलपुर में रहेंगे। इस पर मैंने कहा कि हमारे पार्लिमेंट के उपराष्ट्रपति जबलपुर आ रहे हैं तो मैं 20 और 21 जून को जबलपुर में ही रहूंगी। जिला प्रशासन को इसकी जानकारी दी थी बावजूद इसके योग दिवस के कार्ड में नहीं मेरा नाम लिखवाया गया और ना ही मंच पर मेरे लिए कुर्सी रखी गई। 21 जून को तो मंच पर मेरी जिला प्रशासन ने इस कदर बेज्जती की कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आगे आकर मेरे लिए कुर्सी लगवानी पड़ी।

राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि ने कहा कि इस घटना से मैं बहुत ही आहत हुई हूं क्योंकि जब प्रोटोकाल अधिकारी वहां थे, कलेक्टर थे, इसके बावजूद भी मेरा अपमान किया गया। जो भी घटनाक्रम हुआ वह जानबूझकर किया गया है, और पद की गरिमा भी नहीं रखी गई। या फिर प्रशासनिक अधिकारियों ने अनूसूचित जाति होने के कारण जानबूझकर ऐसा किया। राज्यसभा सांसद ने अपने साथ हुए बर्ताव की शिकायत नरेंद्र मोदी से लेकर सीएम और प्रदेश अध्यक्ष से की है। नम आंखों से उन्होंने कहा कि मेरी शिकायत पर जल्द ही प्रदेश का नेतृत्व निर्णय लेगा। राज्यसभा सांसद नें कहा कि प्रशासनिक अधिकारी ना सिर्फ मेरी बल्कि जिले की जनता की उपेक्षा करते आ रहें है। राज्यसभा सांसद नें यह भी कहा कि इतने बड़े कार्यक्रम में विवेक तनखा को भी नही बुलाया इससे यह समझा जा सकता है कि प्रशासनिक अधिकारी अपनी मस्ती में चूर है।

राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि के साथ इससे पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों ने अभद्रता की थी। जुलाई 2022 में नगरीय निकाय चुनाव में सागर प्रचार के लिए पहुंचीं राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मिक अधिकारियों के बर्ताव से नाराज हुई थी। सुमित्रा बाल्मिक बीजेपी महापौर प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के लिए जब सागर गई थीं, उन्हें सर्किट हाउस में ठहराया गया था। शाम को जब वे प्रचार कर कमरे में वापस लौटीं, तो उनका सामान बगैर किसी सूचना के दूसरे कमरे में बिखरा मिला, इससे सुमित्रा बाल्मिक नाराज हो गईं। सर्किट हाउस में बिना अनुमति कमरा बदलने के मामले में सागर डीएम ने एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया था, वहीं सिटी मजिस्ट्रेट को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। बाद में लीपा पोती कर दी गई।

इस घटना के दो प्रमुख पहलू हैं। एक तो प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी। दूसरा, एक अनुसूचित जाति की महिला के साथ अभद्र व्यवहार। यदि जातिगत आधार पर उनके साथ ऐसा किया गया, तो बहुत ही दुखद है। क्योंकि सरकारें प्रशासनिक अमले से ही तो अनुसूचित जाति- जनजाति की योजनाओं पर अमल करवाती है। और छुआछूत जैसी कुरीति तो बहुत पहले समाप्त हो चुकी है। और अजा-जजा को तो आगे बढ़ाने के लिए प्रशासन से लेकर राजनीति में विशेष तौर पर प्रोत्साहित किया जाता है। उनके लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। राजनीति में भी महिलाओं और अजा-जजा व पिछड़े वर्ग के लोगों को विशेष तौर पर महत्वपूर्ण पदों से नवाजा जाता है। ऐसे में एक राज्यसभा सदस्य के साथ यदि अनुसूचित जाति का होने के कारण अपमान किया गया, तो वह अपराध की श्रेणी में ही आना चाहिए।

इस मामले की जांच उच्च स्तरीय होना ही चाहिए। जो मुद्दा राज्यसभा सदस्य ने उठाया है, उसके आधार पर जांच कर, जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। और इसे सार्वजनिक भी किया जाना चाहिए कि क्या कार्रवाई हो रही है, ताकि फिर कोई किसी महिला का, किसी माननीय का या किसी अनुसूचित जाति के व्यक्ति अथवा महिला का अपमान न करे।

फिल्म आदिपुरुष के संवाद और भाषा की सीमाएं

आखिर 'आज की हिंदी' अथवा आज की भाषा' किसे कहेंगे हम ?

अजय बोकिल

रामकथा से प्रेरित विवादित फिल्म 'आदिपुरूष' उसके संवाद लेखक मनोज मुंतशिर द्वारा जन दबाव में सिनेमा के डायलॉग बदले जाने के बाद भी हिट होने की पटरी से उतर गई लगती है। जो संवाद बदले गए हैं उनमें भी बदलाव क्या है? 'तू' से 'तुम' कर दिया गया है या फिर 'लंका लगाने' (यह भी विचित्र प्रयोग है) की जगह 'लंका जला देंगे' अथवा शेषनाग को 'लंबा' करने के स्थान पर 'समाप्त' कर देंगे, कर दिया गया है। लेकिन इस विवाद की शुरुआत में संवाद लेखक, गीतकार मनोज मुंतशिर ने एक बात कही थी। जिस पर व्यापक बहस की गुंजाइश है।

दरअसल, मनोज ने जिन टपोरी संवादो पर आपत्ति हुई थी, उनके बचाव में कहा था- मैंने ये संवाद 'आज की भाषा' में लिखे हैं। मनोज की बात मानें तो 'जो हमारी बहनों...उनकी लंका लगा देंगे' जैसे वाक्य 'आज की हिंदी' है। अब सवाल यह है कि 'आज की हिंदी' अथवा आज की भाषा' हम किसे कहेंगे? यह कैसे तय होगा कि जो लिखी या बोली जा रही है, वह आज की हिंदी ही है? हर समाज में अमूमन भाषा तीन तरह से प्रचलन में होती हैं।

पहली, वो लिखी जाने वाली व्याकरण सम्मत, विचार सम्प्रेषण और सृजन की भाषा होती है। दूसरी वो जो हम आम बोलचाल में इस्तेमाल करते हैं और जिसका व्याकरणिक नियमों से बंधा होना अनिवार्य नहीं है तथा जिसमें अर्थ सम्प्रेषण ज्यादा अहम है। तथा तीसरी वो जो आपसी बोलचाल में अथवा समूह विशेष में प्रयुक्त होती है, और अभद्रता-भद्रता के भेद को नहीं मानती। आमतौर पर इसे लोकमान्य होते हुए भी टपोरी, फूहड़ अथवा बाजारू भाषा कहते हैं। सभ्य समाज इसके सार्वजनिक उपयोग से परहेज करता है और प्रयोग करता भी है तो किसी विशिष्ट संदर्भ में ही। अंग्रेजी में इसे 'स्लैंग' कहा जाता है।

यह वो भाषा है जिसमें स्थानीय रूप से उपजे या गढ़े गए शब्दों की भरमार होती है। गालियां और उनके अभिनव प्रयोग इस भाषा का वांछित हिस्सा होते हैं। सभ्य समाज में वर्जित शब्दों का टपोरी भाषा में धड़ल्ले से प्रयोग होता है और इसे कोई अन्यथा भी नहीं लेता। यह भाषा एक खास वर्ग को मानसिक संतुष्टि प्रदान करती है और सहजता व निर्लज्जता के भेद को मिटाती है। इसमें भी एक 'किन्तु' यह है कि जो व्यक्ति अपनी टपोरी भाषा में दूसरे के लिए हल्के और गाली युक्त शब्दों का बेहिचक प्रयोग करता है, वही व्यक्ति खुद उसके लिए इसी भाषा का प्रयोग करने पर आक्रामक भी हो सकता है। अर्थात् ऐसी भाषा कितनी भी सहज हो, लेकिन मानवीय गरिमा के अनुकूल नहीं होती।

बदलता समाज और बदलती हुई भाषा

इसमें दो राय नहीं कि हर एक-दो दशक में भाषा बदलने

लगती है। उसमें नए भावों के साथ नए शब्द आते हैं तो पुराने शब्दों को नए तेवर देने की गरज पड़ती है, कई शब्द चलन से बाहर भी होते हैं, उनकी जगह नए शब्द और मुहावरे रूढ़ होने लगते हैं। सभ्यता और संस्कृति का बदलाव, टकराव और परिवर्तित सामाजिक चेतना भी नए शब्दों की राह आसान करती है। कई बार शब्द वही होते हैं, लेकिन उनके अर्थ संदर्भ बदल जाते हैं।

अगर 'आज की भाषा' की बात की जाए तो हम उस भाषा की बात कर रहे होते हैं, जिसे अंग्रेजी में मिलेनियल जनरेशन, जनरेशन जेड या फिर अल्फा जनरेशन कहा जाता है। मिलेनियल (सहस्त्राब्दी) पीढ़ी उसे माना गया है, जिसका जन्म 1986 से लेकर 1999 के बीच हुआ है। इसी पीढ़ी को 'जनरेशन जेड' भी कहा गया है।

21 वीं सदी के आरंभ से लेकर इस सदी के पहले दशक में जन्मी पीढ़ी को 'अल्फा जनरेशन' नाम दिया गया है। मिलेनियल और अल्फा जनरेशन की भाषा में बुनियादी फर्क यह है कि अल्फा जनरेशन की भाषा पर इंटरनेटी शब्दावली का असर बहुत ज्यादा है और वो पारंपरिक शब्दों के संक्षिप्तिकरण में ज्यादा भरोसा रखती है। इसे हम माइक्रो मैसेजिंग, व्हाट्सएप मैसेज में युवाओं द्वारा प्रयुक्त भाषा से समझ सकते हैं।

इस पीढ़ी की भाषा में भाषाई शुद्धता और लिपि की अस्मिता का कोई आग्रह नहीं है। हिंदी रोमन लिपि में अपने ढंग और शब्दों तो तोड़-मरोड़ कर धड़ल्ले से लिखी जा रही है। यही उनके सम्प्रेषण की भाषा है। जिसे एक ने कही, दूजे ने समझी' शैली में इस्तेमाल किया जाता है। इस भाषा में अभी साहित्य सृजन ज्यादा नहीं हुआ है (हुआ हो तो बताएं)। क्योंकि इस भाषा का सौंदर्यशास्त्र अभी तय होना है। कई लोगों को यह कोड लैंग्वेज जैसी भी प्रतीत हो सकती है। यानी शब्दों के संक्षिप्त रूप धड़ल्ले से प्रयोग किए जा रहे हैं, नए रूप गढ़े भी जा रहे हैं, लेकिन उनका अर्थ पारंपरिक ही हो यह आवश्यक नहीं है। अलबत्ता जैसे-जैसे अल्फा जेनरेशन वयस्क होती जाएगी, उसकी अपनी भाषा में साहित्य सृजन भी सामने आएगा। तब पुरानी पीढ़ी उसे कितना समझ पाएगी, यह कहना मुश्किल है।

जहां तक मिलेनियल जनरेशन की बात है तो यह पीढ़ी पुरानी और नई पीढ़ी के संधिकाल में पली बढ़ी है, इसलिए इसे हिंदी का संस्कार अपने पूर्वजों की भाषा से विरासत में मिला हुआ है तथा उस विरासत में इस पीढ़ी ने अपनी सृजन शैली का तड़का लगाया है। इसलिए इस पीढ़ी की भाषा का तेवर पूर्ववर्तियों की तुलना में अलग, ज्यादा संवेदनशील और जमीनी लगता है। बावजूद इसके इस पीढ़ी की भाषा पर प्रौद्योगिकी और इंटरनेट का (दु) प्रभाव बहुत कम है।

इसमें अलग लिखने और दिखने की चाह तो है, लेकिन परंपरा से हटने का बहुत अधिक आग्रह नहीं है। मिलेनियल जनरेशन अब अधेड़ावस्था में है और 20 सदी के संस्कारों और 21वीं सदी के नवाग्रहों के बीच अपना रचनात्मक और अभिव्यक्तिगत संतुलन बनाए रखने में विश्वास करती है।

अब देखें कि मनोज मुंतशिर ने जो वाक्य प्रयोग किए हैं, क्या वो सचमुच आज के उस समाज की भाषा है, जो सभ्यता के दायरे में आते हैं। वैसे मनोज मुंतशिर कोई महान गीतकार या लेखक हैं भी नहीं। उन्हें कुछ पुरस्कार जरूर मिले हैं, लेकिन उनका लिखा कोई गीत कालजयी हो और लोगों के होठों पर सदा कायम रहा हो, ऐसा याद नहीं पड़ता। उन्होंने अपना नाम मनोज शुक्ला से 'मुंतशिर' सिर्फ इस वजह से कर लिया कि उन्हें यह शब्द भा गया था। मुंतशिर अरबी का शब्द है और इसके मानी हैं अस्त-व्यस्त अथवा बिखरा हुआ। 'आदिपुरूष' के विवादित संवादों में मनोज का 'मुंतशिर' चरित्र ही ज्यादा उजागर हुआ लगता है। वरना 'लंका लगा देंगे' जैसा वाक्य प्रयोग तो अल्फा जनरेशन की हिंदी में भी शायद ही होता होगा।

वैसे भाषा में नया प्रयोग कोई गुनाह नहीं है, बशर्ते वह मूर्खतापूर्ण और अनर्थकारी न हो। कई बड़े लेखकों ने भी अपने गढ़े हुए चरित्रों को यथार्थवादी बनाने के लिए आम बोलचाल की भाषा कहलवाई है। यदा-कदा फिल्मों (ओटीटी प्लेटफॉर्म पर तो यह खूब हो रहा है) में भी शुद्ध गालियों का इस्तेमाल हुआ है। लेकिन ऐसे चरित्रों के लिए किया गया है, जो समाज के बहुत बड़े वर्ग की आस्था का विषय नहीं है, जो समाज से उठाए गए आम मानवीय चरित्र हैं। लेकिन 'आदिपुरूष' के साथ तो ऐसा नहीं है। इसे बताया भले ही रामायण से प्रेरित हो, लेकिन हकीकत में यह कुछ बदले हुए रूप में 'रामायण' ही है। यह रामायण सदियों से लोगों के मन में इस कदर बैठी हुई है, उसके चरित्र इतने स्पष्ट तथा समाज को संदेश देने वाले हैं कि उनसे किसी भी तरह की छेड़छाड़ सामूहिक मन को विचलित करने वाली है।

राम को आदिपुरुष कहना भी सही नहीं

वैसे भी राम को आदिपुरुष कहना भी सही नहीं है। राम रघुवंश में जन्मे थे। और गहराई मे जाएं तो भगवान राम इक्ष्वाकु वंश के 39 वें वंशज थे। इसलिए 'आदिपुरूष' कोई होंगे तो इक्ष्वाकु होंगे। राम नहीं। भारत में जनमानस में राम की छवि मर्यादा पुरूषोत्तम की है और कई आक्षेपों के बाद भी यथावत है।

मनोज मुंतशिर ने एक नया ज्ञान यह भी दिया कि हनुमान स्वयं भगवान नहीं, बल्कि राम के भक्त हैं। तकनीकी तौर पर यह बात सही हो सकती है, लेकिन निराभिमानी हनुमान ने स्वयं पराक्रमी होते हुए भी स्वामी भक्ति की उस बुलंदी की मिसाल कायम की है, जहां भक्त स्वयं भगवान की पंक्ति में बैठने का हकदार हो जाता है। जन आलोचना और बाजार के दबाव में डायलॉग बदलने को तैयार हो जाने वाले मुंतशिर इसे कभी समझ नहीं पाएंगे। वरना इस देश में साहिर लुधियानवी जैसे शायर भी हुए हैं, जो अपने गीत में एक शब्द का हेरफेर करने से भी साफ इंकार कर देते थे।

दरअसल, लेखक की रचना और शब्द संसार में कहीं न कहीं उसका अपना चरित्र भी परिलक्षित होता है। इसके लिए किसी उधार ली गई कथा का आश्रय लेना जरूरी नहीं होता। एक तर्क दिया जा सकता है कि अगर रामायण आज लिखी जाती तो उसमें संवाद किस भाषा में होते?

वाल्मीकि की भाषा में, तुलसी की भाषा में, रामानंद सागर की भाषा में या फिर मनोज मुंतशिर की भाषा में? ज्यादातर लोग तीसरा विकल्प चुनते, जहां आधुनिक संदर्भों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक भाषा में धार्मिक पौराणिक चरित्रों को उनकी शाश्वत मर्यादा के साथ रचा गया है, उनसे संवाद कहलवाए गए हैं। लेकिन कहीं भी फूहड़ता को आधुनिकता का जामा नहीं पहनाया गया है।

दरअसल मनोज के लिखे विवादित डायलॉग तो उससे भी घटिया हैं, जो किसी गांव में होने वाली रामलीला में कोई स्थानीय गुमनाम सा संवाद लेखक लिखता है और जिनके जरिए भी दर्शक रामकथा से अपना सहज तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। ऐसे संवादों में अनगढ़पन हो सकता है, लेकिन फूहड़पन नहीं होता। बहरहाल अगर बॉक्स ऑफिस की बात करें तो 'आदिपुरूष' का खुमार अब उतार पर है। फिल्म के इस हश्र ने साबित किया कि अब सोशल मीडिया ही बॉलीवुड फिल्मों का सबसे बड़ा नियंता है।

दूसरे, प्रयोगशीलता का अर्थ दर्शकों को हर कुछ परोसना नहीं है। इस फिल्म को लेकर राजनीति भी हुई। यहां तक दावे हुए कि 'आदिपुरूष' के पीछे छिपे राजनीतिक एजेंडे को हिंदूवादी संगठनों ने ही पलीता लगा दिया। और यह भी राम कथा के परिष्कार की गुंजाइश तो है, लेकिन उसे मनगढ़ंत तरीके से पेश करने की नहीं है।

भारत के रंग में रंगा व्हाइट हाउस

कौशल किशोर चतुर्वेदी

इक्कीसवीं सदी में भारत के विश्व में महत्व की सबसे बड़ी तस्वीर 22 जून 2023 को अमेरिकी राष्ट्रपति के औपचारिक निवास व्हाइट हाउस से सामने आई है। यह श्वेत धवल शक्ति का केंद्र रंगीन हो गया था। सात हजार हिंदुस्तानी-अमेरिकी यहां मेहमान बतौर मौजूद थे। व्हाइट हाउस के लिए यह पहला अनुभव था, जब इतनी बड़ी संख्या में स्त्री-पुरुष की उपस्थिति की गवाही वह दे रहा था। इतनी गर्माहट इससे पहले हमेशा शीतल रहने वाले व्हाइट हाउस में पहले कभी नहीं महसूस की गई थी। हिंदुस्तानी गाने यहां गुनगुनाए जा रहे थे। दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और अमेरिका के बीच सबसे घनिष्ठ संबंधों का गवाह व्हाइट हाउस बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतवासियों और अमेरिका में रह रहे चार मिलियन भारतीयों का शानदार सम्मान बताया। तो अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे विश्व के दो सबसे बड़े लोकतंत्र, दो महान और शक्तिशाली राष्ट्रों का मिलन कहा। मोदी-बाइडेन की गर्मजोशी इन दो महान राष्ट्रों के बीच संबंधों के सबसे गाढ़े रंगों का प्रमाण बनी। व्हाइट हाउस पूरी तरह से भारत के रंग में रंग गया।

जो और जिल बाइडेन संग व्हाइट हाउस में मौजूद मोदी पर पूरी दुनिया की नजर थी। स्वामी विवेकानंद ने

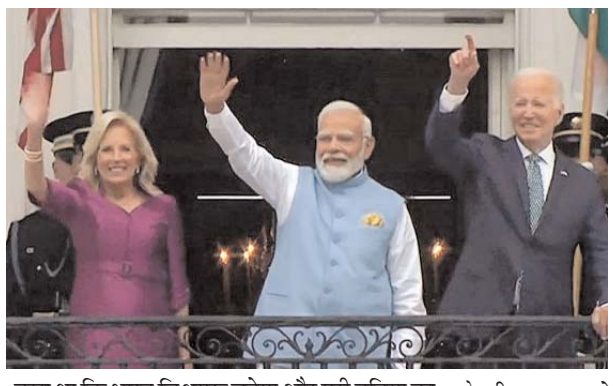

कहा था कि भारत विश्वगुरू बनेगा और पूरी दुनिया का पथप्रदर्शन करेगा। यह भविष्यवाणी अब सच हो रही है। भारत की तरफ अब पूरी दुनिया की नजर है। सैकड़ों साल गुलामी की त्रासदी से गुजरा भारत आजादी के 75वें साल अमृतकाल में परम वैभव के शिखर को छू रहा है। 140 करोड़ आबादी का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया को समृद्ध और शक्तिशाली भारत का दर्शन करा रहे हैं। अपने ही घर में विपक्ष की आलोचना का मुकाबला करते नजर आते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुरीद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित दुनिया के सारे राष्ट्र और उनके मुखिया हैं। मोदी के नेतृत्व में देश की यह उपलब्धियां उनके विजन पर मुहर लगा रही हैं।

राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध 21वीं सदी में सबसे निर्णायक रिश्तों में से एक है। पीएम मोदी का व्हाइट हाउस में वापस स्वागत है। मैं यहां राजकीय यात्रा पर आपकी मेजबानी करने वाला पहला व्यक्ति बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

तो अब भारत और अमेरिका के बीच एक-दूसरे को सम्मानित करने की होड़ लगी है। एक-दूसरे को ताकतवर बनाने का संकल्प नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस के साउथ लॉन की बालकनी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बिडेन ने लोगों का अभिवादन किया। इस अभिवादन के दायरे में पूरी दुनिया समाहित है अब। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता से पहले व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण संबंध हैं। इसी कड़ी में अब भारत को एक ताकतवर और घातक जेट इंजन मिलने वाला है। असल में अमेरिका की जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच एक अहम करार हुआ है। शायद इसका अनुभव रूस को भी हो रहा होगा और चीन तो मानो सीधा जल ही रहा होगा। पाकिस्तान तो खैर अब खाक होने की कगार पर है।

इस दौरे में दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर के रक्षा सौदे होने जा रहे हैं। तो प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को लेकर सबसे खास चर्चा ये हो रही है कि क्या भारत की अमेरिका के साथ बढ़ती घनिष्ठता, भारत के पुराने दोस्त रूस को चिंता में डाल सकती है? मोदी के समय की भारतीय विदेश नीति पर गौर करें तो अमेरिका से प्रगाढ़ता का मतलब यह कतई नहीं है कि रूस से दूरी बढ़ेगी। भारत, रूस का पुराना दोस्त रहा है। यूक्रेन में युद्ध के बाद पश्चिम ने रूस पर पाबंदियां लगाईं लेकिन भारत लगातार रूस से तेल ख़रीदता रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र में जब-जब रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया तो भारत उसमें गैर हाजिर रहा। इसने अमेरिका और पश्चिमी देशों को कुछ हद तक नाराज भी किया। पर यही मोदी की खूबी है। दो विपरीत ध्रुवों संग एक समय में दोस्ती बनाए रखने में मोदी माहिर हैं। यही खूबी अब भारत को विश्वगुरु बनकर पूरी दुनिया का पथप्रदर्शन करने का अवसर प्रदान कर रही है। यह संकेत है कि इक्कीसवीं सदी भारत की है। व्हाइट हाउस ही नहीं, अब पूरी दुनिया भारत के रंग में रंगी है।

मप्र में आदिवासियों की शरण में सियासत

मोदी-शाह का जनजाति पर फोकस, खोया जनाधार पाने में जुटी कांग्रेस, बीआरएस बनना चाह रही किंगमेकर

हरीश दिवेकर

प्रदेश में इस समय राजनीति की धुरी आदिवासियों के आस-पास घूम रही है। यानी आदिवासियों शरण में पूरी सियासत आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक सूबे के आदिवासियों को लुभा रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस गोंडवाना से गठबंधन कर इस परंपरागत वोट बैंक में अपना खोया जनाधार फिर तलाश रही है। जयस का बीआरएस में बदलना राजनीतिक दलों को टेंशन में डाल रहा है। बीआरएस इस चुनाव में खुद को किंगमेकर की भूमिका में लाने का दावा कर रही है। आखिर प्रदेश की पूरी सियासत आदिवासी शरणम गच्छामि क्यों हो रही है। इस सवाल का साफ जवाब है कि प्रदेश की सत्ता पर कौन राज करेगा इसका फैसला इन्हीं लोगों के पास है। यानी प्रदेश की सौ से ज्यादा सीटों का नतीजा इन आदिवासियों के हाथ में ही है।

सीएम शिवराज ने गौरव यात्रा के हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

गृह मंत्री अमित शाह जो कि आदिवासी जिले बालाघाट में रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का शुभारंभ करने बालाघाट जाने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण वे नहीं जा पाए। शाह के दौरे के जरिए भाजपा महाकोशल के बिगड़े समीकरणों को साधने आने वाले थे उनकी जगह शिवराज सिंह चौहान बालाघाट पहुंचे और गौरव यात्रा के हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बालाघाट मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित है, इसलिए माना जा रहा है कि शाह का दौरा आदिवासियों को साधने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके आसपास के जिले सिवनी और

छिंदवाड़ा भी आदिवासी बहुल हैं। शाह के इस दौरे को भाजपा की चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बालाघाट से पहले छिंदवाड़ा और सतना प्रवास पर आ चुके हैं। सतना में वह शबरी जयंती पर आयोजित कोल समाज के सम्मेलन में शामिल हुए थे। माना जा रहा है कि महाकोशल क्षेत्र के समीकरणों को साधने के लिए सम्मेलन में शाह को बालाघाट आमंत्रित किया गया। इसका लाभ आदिवासी वोट के रूप में पार्टी को मिलेगा। भाजपा का परंपरागत गढ़ माने जाने वाले महाकौशल क्षेत्र में पार्टी को नगरीय निकाय चुनाव में झटका लगा है।

गौरव यात्रा का समापन 27 जून को शहडोल में नरेंद्र मोदी करेंगे

जिस गौरव यात्रा को अमित शाह ने शुरू किया उसका समापन 27 जून को आदिवासी जिले शहडोल में नरेंद्र मोदी करेंगे। मोदी इस दिन आदिवासी के साथ भोजन भी करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। मोदी का पिछले दो महीने में मध्यप्रदेश का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 24 अप्रैल को रीवा में पंचायत राज सम्मेलन में शामिल होने आए थे। शाह और मोदी का ये दौरा विंध्य और महाकौशल को साधने के रूप में भी देखा जा रहा है। इन दोनों इलाकों में 38 सीटें हैं। महाकौशल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ का गढ़ माना जाता है इसलिए यहां पर सेंधमारी करना बीजेपी के लिए जितना जरूरी है उतना मुश्किल भी। विंध्य में पिछले चुनाव में बीजेपी को छप्पर फाड़कर सीटें मिलीं थीं, लेकिन इस बार एंटी इन्कमबेंसी ने बीजेपी को मुश्किल में डाल दिया है। मोदी का दौरा बीजेपी की खिसकी जमीन में मरम्मत के रूप में भी देखा जा रहा है। इनमें अधिकांश सीटें आदिवासी वर्ग की हैं इसलिए यहां पर आदिवासी नमो नम- हो रहा है।

महाकौशल में कुल सीटें- 38, बीजेपी -13, कांग्रेस-24, अन्य-एक

विंध्य में कुल सीटें - 30, बीजेपी- 24, कांग्रेस- 5, अन्य - 1

गोंगपा से हाथ मिलाकर कांग्रेस आदिवासी सीटें साधना चाहती है

सवाल सिर्फ इन 68 सीटों का ही नहीं है बल्कि, आदिवासियों की आरक्षित 47 सीटें और उनके प्रभाव वाली सौ से ज्यादा सीटों का भी है। यही वे सीटें हैं जो अपनी जेब में सरकार बनाने की चाबी रखती हैं। यानी जिन पर इनकी मेहरबानी होगी उसकी सरकार प्रदेश में बनेगी। कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक उससे छिटकता जा रहा है। प्रदेश का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि जिसको आदिवासी वर्ग ने समर्थन दिया है सरकार उसी की बनी है। अब सरकार बनानी है तो आदिवासी वर्ग का समर्थन चाहिए ही। ये समर्थन कैसे मिलेगा जब उनके हित की बात की जाएगी। कांग्रेस का गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से गठबंधन भी इसी रणनीति का हिस्सा है। गोंगपा से हाथ मिलाकर कांग्रेस आदिवासियों की 50 सीटें साधना चाहती है। कांग्रेस को पिछले चुनाव में सीधे तौर पर गोंगपा से 12 सीटों का नुकसान हुआ था।

आदिवासी वोट बैंक चुनाव में निर्णायक साबित होता है

अब आदिवासी सीटों का दो दशक का इतिहास देखिए। मध्यप्रदेश में आदिवासियों की 47 सीटें हैं। 2003 में 41 सीटें थीं। इनमें से बीजेपी के पक्ष में 37 सीटें गईं और कांग्रेस हिस्से में महज 2 सीटें आईं। सरकार बीजेपी की बनी। 2008 में आदिवासियों की 47 सीटों में से बीजेपी को 30 और कांग्रेस को 16 सीटें मिलीं। सरकार फिर बीजेपी की बन गई। 2013 में बीजेपी को 31 सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस के खाते में 15 सीटें आईं। सरकार तीसरी बार भी बीजेपी की बनी। साल 2018 में आदिवासी सीटें बीजेपी से छिटककर कांग्रेस के पास आ गईं। बीजेपी को 16 सीटें ही मिल पाईं प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बन गई। अब बारी फिर चुनाव की है इसलिए सरकार बनाने के लिए आदिवासियों का समर्थन जरूरी है। आदिवासियों के लिए आरक्षित 47 सीटों के साथ ही ये वर्ग प्रदेश की सौ से ज्यादा सीटों पर असर रखता है, जहां पर आदिवासियों की आबादी 50 हजार तक है। ये वोट बैंक चुनाव में निर्णायक साबित होता है। इन सीटों पर बीआरएस ने दावा ठोंक दिया है। बीआरएस वहीं जयस का बदला रूप है जो यहां के राजनीतिक दलों को टेंशन में डाले हुए है। बीआरएस इन सीटों के दम पर किंगमेकर बनने का सपना देख रही है।

प्रदेश के आदिवासी सत्ता के लिए शुभंकर है

इस चुनाव में आदिवासी सीटों को लेकर बीजेपी-कांग्रेस में सबसे ज्यादा कश्मकश है। पिछले बीस सालों का इतिहास बताता है कि जिसके पक्ष में आदिवासी सीटें आती हैं वहीं सत्ता के सिंहासन पर बैठता है। यानी प्रदेश के आदिवासी सत्ता के लिए शुभंकर है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती। इन आदिवासी सीटों के नए नुमाइंदे उभरकर सामने आए हैं जिनका नाम बीआरएस है। इनको लेकर कांग्रेस बहुत टेंशन में है। वहीं आदिवासियों की नाराजगी दूर करने के लिए बीजेपी संगठन और सरकार दोनों जुट गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

अंधे कत्ल का खुलासा: प्रेम प्रसंग में रोड़ा था पति, पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर उतारा मौत के घाट

औबेदुल्लागंज गौहरगंज थाना क्षेत्र की बीजोर घाटी के जंगल में हुए अंधे कत्ल का गुरुवार को एसडीओपी मलकीत सिंह ने गौहरगंज थाना में प्रेस वार्ता कर खुलासा किया। 05 जून की दौपहर 02 बजे गौहरगंज थाना क्षेत्र की बीजोर घाटी के जंगल मे पत्थर से चहरा कुचला हुआ शव मिलने की जानकारी पुलिस को लगी। प्रथम दृष्टया यह हत्या प्रतीत हो गई थी। पुलिस द्वारा अज्ञात शव की तस्वीरें व हुलिया शोषल मीडिया पर सांझा कर शिनाख्त करने का प्रयास किया गया। एसडीओपी मलकीत सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि शोषल मीडिया के माध्यम से मृतक के बेटे ने अपने पिता को पहचान लिया एवं पुलिस को जानकारी दी। पुलिस शिनाख्त में सामने आया कि मृतक की पत्नी आरोपी सुनीता 15 वर्षों से आरोपी राजेश मीना के प्रेम प्रसंग में थी। ज्ञात हो कि आरोपी सुनीता व उसके पति मृतक राम गोपाल पिता धनलाल मीना उम्र 45 वर्ष निवासी आनंद नगर पिपलानी झुग्गी के तीन बच्चे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दंपति की बड़ी लड़की 17 वर्ष, लड़का 14 वर्ष एवं एक लड़का 08 वर्ष का है। उक्त अंधे कत्ल में गौहरगंज पुलिस की बड़ी कामयाबी इसलिए मानी जा रही है क्योकि मृतक के बच्चे द्वारा पिता की शिनाख्त करने के बाद आरोपी को पकड़ना पुलिस के लिए बड़ी चुनोती थी। घटना में उपयुक्त पत्थर, मोबाइल एवं अन्य वस्तुएं बरामद करने के बाद महिला आरोपी सुनीता एवं घटना को अंजाम देने वाले राजेश मीना को गुरुवार को प्रेसवार्ता के बाद न्यायालय गौहरगंज में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पीएम किसान निधि की ई-केवायसी लंबित रहने पर 12 पटवारियों को नोटिस

छतरपुर,। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने पीएम किसान सम्मान निधि की ई-केवायसी लंबित रहने पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए 12 पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। एडीएम द्वारा संबंधित 12 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए लिखित उत्तर देने और लंबित ई-केवायसी को पूर्ण करने आदेश जारी किया है।

इन पटवारियों को मिला नोटिस: पटवारी पिंकेश शर्मा हल्का सड़वा बड़मलहरा, भगवानदास अहिरवार बसारी राजनगर, अनिल कुमार खरे टटम महाराजपुर, रतिराम अहिरवार रामटौरिया घुवारा, सौरभ खरे पनागर बिजावर, ज्ञान बाबू राय गौरिहार, अभिषेक गोस्वामी बगौता छतरपुर नगर, चंद्रशेखर बछौन चंदला, पन्नालाल राजपूत मातगुवां छतरपुर, जमुना प्रसाद अनुरागी अलीपुरा नौगांव, संदीप पाठक मड़देवरा बक्सवाहा सहित रघुनाथ सिंह हल्का बगमऊ तहसील लवकुशनगर को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

26 को बक्स्वाहा में लगेगी राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बेंच

छतरपुर। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अधिकारी 26 जून को छतरपुर जिले का दौरा करेंगे। साथ ही आयोग द्वारा बक्सवाहा में 26 जून को प्रातः 10 बजे से बेंच लगाते हुए शिकायत निवारण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाल अधिकार के उल्लंघन के विरुद्ध शिकायतें सुनी जाएगीं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के शिविर में कोई व्यक्ति जिसमें बच्चे, माता-पिता, संरक्षक, देखभालकर्ता या बाल अधिकारों के लिए काम करने वाला कोई भी व्यक्ति, बच्चों से संबंधित अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री, जिला अध्यक्ष, कलेक्टर ने किया योगाभ्यास

बरेली । संपूर्ण रायसेन जिले में अंतरराष्टीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम संपन्न हुए जिला मुख्यालय पर नगर के खेल स्टेडियम में सामूहिक योग कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी, कलेक्टर अरविंद दुबे, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा,जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष सविता जमना सेन ने योग किया 7 बरेली में पुलिस ग्राउंड में मंडल अध्यक्ष अभिषेक राजपूत सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी सहित छात्र छात्राओं ने योगाभ्यास किया ।

मरीह माता पर मां का किया विशेष श्रृंगार, महाष्टमी पर की जाएगी विशेष आरती

सीहोर। शहर के विश्रामघाट स्थित मरीह माता मंदिर पर इन दिनों प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गुप्त नवरात्रि के दौरान हर रोज सप्तशती का पाठ और विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। गुरुवार को यहां पर उपस्थित मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, मनोज दीक्षित मामा और रोहित मेवाड़ा सहित अन्य ने नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा देवी की अर्चना की। वहीं शुक्रवार को स्कंदमाता की पूजा अर्चना की जाएगी और महाष्टमी को विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर पंडित श्री दीक्षित ने बताया कि मां कुष्मांडा की आठ भुजाएं हैं, इसलिए यह अष्टभुजा भी कहलाईं, इनके आठ हाथों में कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प अमृतपूर्ण कलश, चक्र, गदा और माला है। इनका वाहन सिंह है। मां कुष्मांडा का वास सूर्यमंडल के भीतर है। शास्त्रों के अनुसार, जब सृष्टि की रचना नहीं हुई थी, तब इसका कोई अस्तित्व नहीं था। क्योंकि चारों और अंधकार छाया हुआ था। तब मां कुष्मांडा ने अपने मंद मुस्कान से सृष्टि की उत्पत्ति की। इसलिए इन्हें सृष्टि की आदिशक्ति भी कहा जाता है। मंद हंसी के द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण ही इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। मां कुष्मांडा के पास इतनी शक्ति है कि, वह सूर्य के भी घेरे में रह सकती हैं। इनका वास सूर्यमंडल के भीतर है।

दो बाघों में वर्चस्व की लड़ाई में एक की मौत, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

ओबेदुल्लागंज। तीन पांच दिनों से दहशत में रह रहे ग्रामीणों ने उस वक्त राहत की सांस ली जब उनको मालूम हुआ कि घायल बाघ मृत अवस्था में मिला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रातापानी अभ्यारण के अंतर्गत आने वाले दाहोद रेंज के देहलावाड़ी करमई वीट में एक घायल बाघ का मूबमेंट दिखाई दिया जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया वन विभाग की टीम ने लगातार सर्चिंग कर कैमरे में घायल बाघ की लोकेशन ट्रेस करती रही लेकिन उन्हें सफलता हाथ नही लग सकी वन विभाग के आला अधिकारियों के आदेश के बाद हाथियों की सहायता से पकड़ने का प्लान बनाया लेकिन आज गुरुवार हाथियों की सहायता से सर्चिंग से पहले उक्त घायल बाघ वन विभाग के लोगों को मृत अवस्था में मिला।

वन विभाग अधिकारी हेमंत रैकवार ने बताया कि बीते 5 दिन पूर्व दो बाघों की लड़ाई में सम्भवतः एक शेर घायल हो गया था और शिकार हेतु ग्रामीण इलाकों के आसपास उसकी मूबमेंट दिखाई दी थी जिसे पकड़ने के लिये बीते 3 दिनों से प्रयास किये जा रहे थे आज राजधानी से हाथियों द्वारा सर्चिंग की तैयारी थी लेकिन बाघ मृत

अवस्था में मिला जिसे पोस्टमार्टम हेतु भोपाल भेजा गया।

इनका कहना है

बाघ की मौत की जानकारी मिली है बाघ के शव का रेक्सवु कर भोपाल पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है

सुनील भारतद्वाज
अधीक्षक रातापानी सेंचुरी

आयुष कौशल में मुरैना ओपन चैंपियन ऑफ चैंपियन

ग्वालियर । आर्म रैसलिंग के क्षेत्र में ग्वालियर दिन प्रतिदिन ऊंचाइयां छू रहा है उसी के तारतम्य में 18 जून को संपन्न हुई मुरैना ओपन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में ग्वालियर के आयुष कौशल ने जो कि मात्र 50 किलो के हैं उन्होंने सुपर हैवीवेट चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब जीता यह खिताब जीतने वाले इतने कम भजन के यह पहले खिलाड़ी बन गए हैं उन्होंने 100 किलो के ऊपर भी सारे खिलाड़ियों को हरा दिया द्य. ग्वालियर आर्म्रेसलिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ केशव पांडे ने बताया कि ग्वालियर में कोच मनीष कुमार के अंडर में आयुष कौशल ट्रेनिंग ले रहे थे और उन्होंने हाल ही में नेशनल में दो स्वर्ण पदक तथा मुरैना ओपन चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब जीतकर ग्वालियर का नाम रोशन किया है

नशामुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत, भारी मात्रा मे पकड़ी अवैध शराब थाना नोहटा पुलिस की कार्यवाई

दमोह पुलिस मुख्यालय के द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना प्रभारियो को आदेशित किया गया था कि अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक कार्यवाही करे इसी तारतम्य मे दिनांक 22/06/2023 को मुखबिर से सूचना पर पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन एवं एस डी ओ पी तेदूखेडा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नोहटा एवं स्टाफ द्वारा मुखबिर सूचना पर रेड कार्यवाही करते हुये नोहटा बार्दकपुर रोड बमुरिया तिगड्डा पर आरोपी 1. भूरे उर्फ नारायण सींग लोधी 2. नेपाल सींग लोधी मोटर साईकिल प्लेटिना पर अवैध परिवहन करते हुये पकड़े गये जिनकी तलाशी लेने पर एक सफेद बोरी व बैग मे कुल 343 पाव अवैध शराब (199 देशी प्लेन, 144 लाल मसाला) बरामद की गई। शराब का स्त्रोत आरोपी जीवन सींग लोधी निवासी कुड़ई से लेना बताया जो थाना नोहटा मे अपराध क्रमांक 330/23 धारा 34(2) आबकारी एक्ट 130/177 (3) मो.व्ही.एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। आरोपियो की गिरफ्तारी कर माननीय न्यायालय जे.

आर. पर पेश किया जायेगा।

गिरफ्तार आरोपी – 1. भूरा उर्फ नारायण पिता मुरलीधर लोधी उम्र 50 साल नि. धंसरा थाना नोहटा 2. नेपाल सॉग लोधी पिता साहब सींग लोधी उम्र 24 साल नि. बहेरिया थाना नोहटा

जब्त मशरूका – 1. कुल 343 पाव (199 देशी प्लेन, 144 लाल मसाला) अवैध शराब कीमत 25895/- रूपये 2. एक प्लेटिना एमपी 21 एम.ई.0571

उत्कृष्ट कार्य – थाना प्रभारी उप निरी विकास सिंह चौहान, प्र. आर. 777 प्रदीप तिवारी, प्र. आर. 422 अजित दुबे, प्र. आर. 404 सूरत सिंह, आरक्षक 527 राजकुमार, आरक्षक 570 रविन्द्र प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का किया आयोजन

दमोह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग का कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय के परिसर में संपन्न हुआ इस कार्यक्रम में पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी केंद्रीय राज्यमंत्री के प्रतिनिधि नरेंद्र बजाज जनपद कलेक्टर मयंक अग्रवाल जिला पंचायत सीईओ जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि कमल सिंह राजू ठाकुर गोपाल पटेल सतीश तिवारी महामंत्री जिला भाजपा अनुपम सोनी सांसद प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग जिला शिक्षा अधिकारी एस के नेमा संस्था के प्राचार्य एस एल अहिरवार जिला खेल अधिकारी विवेक दत्त शर्मा गोविंद रैदास एनसीसी शिक्षा विभाग एवं खेल विभाग के खिलाड़ी छात्र-छात्राएं महाविद्यालयों एवं दमोह शहर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आर्ट आफ लिविंग पतंजलि योग संस्थान गायत्री शक्तिपीठ आदि योग संस्थानों एवं सामाजिक संगठन के लगभग 1000 लोगों ने अंतरराष्टीय योग दिवस के सामूहिक कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम के प्रथम चरण में सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने सरस्वती पूजन किया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं उद्बोधन एवं सामूहिक कार्यक्रम में शामिल सभी ने राष्टगान गाया कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपराष्टपति मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के उद्बोधन को सीधे प्रसारण से एलईडी के माध्यम से सभी के सामने प्रसारित किया गया द्य प्रशांतअसाटी आर्ट ऑफ लिविंग कृष्ण कुमार परोहा महर्षि पतंजलि संस्थान अतुल सिंघई अतुल चौबे पीसी शर्मा शिक्षा विभाग के द्वारा सामूहिक योगाभ्यास कराया गया द्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा योग में शामिल सभी लोगों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई कार्यक्रम को सफल बनाने में शरद मिश्रा राकेश सिंह राजपूत मनीष चौरसिया महेश असाटी देवेंद्र सिंह ठाकुर डी सी वेन हरिकांत उपाध्याय मनीष शर्मा नीरजपांडे माला राय की विशेष भूमिका रही मंच का सफल संचालन आलोक सोनवलकर व विपिन चौबे ने एवं आभार प्रदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी एस के नेमा ने किया।सफल आयोजन के लिए सभी ने स्कूल शिक्षा विभाग के जिला खेल अधिकारी विवेक दत्त शर्मा एवं उनकी टीम को बधाइयां प्रेषित की द्य

मुख्यमंत्री चौहान ने ली कोर ग्रुप की बैठक, प्रभारी मंत्री, मंत्री, जिलाध्यक्ष हुए शामिल

बरेली 7 बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय जनता पार्टी जिला रायसेन की कोर ग्रुप की बैठक संपन्न हुई 7 मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने जिले के कोर ग्रुप कमेटी के सदस्यों से जिले में चल संगठनात्मक कार्यों की जानकारी ली आप सभी को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं को बूथ स्तर तक सक्रियता के साथ पहुंचाएं संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें हर कार्यकर्ता के संपर्क में जनप्रतिनिधि सहित संगठन के लोग रहे बैठक में प्रभारी मंत्री अरविंद भदोरिया, स्वास्थ मंत्री प्रभुराम चौधरी, सासंद रमाकांत भार्गव, जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत

मीणा,सिलवानी विधायक रामपाल सिंह, भाजपा संभाग प्रभारी कांतिदेव सिंह जी, जिला प्रभारी सुधीर अग्रवाल, पूर्व विधायक रामकिशन पटेल और सभी प्रमुख नेता गण उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ने इछावर में तेज गति से चल रहे डंपर से हो रही घटना को लेकर सौंपा ज्ञापन

सीहोर। सीहोर-भेरूंदा हाईवे पर तेज गति से डंपर चलते हैं जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं यहां तक की कई लोग गंभीर घायल चुके हैं तो कोई मौके पर दर्दनाक हादसे में मौके पर ही काल के गाल हो जाता है इन्हीं सब घटनाओं को रोकने के लिए इछावर के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं युवा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इछावर के एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर तत्काल इस ओर ध्यान देने की मांग की है। गुरुवार को पूर्व विधायक श्री पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और कांग्रेसजन रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे और कहा कि अत्याधिक तेज गति से चल रहे डंपरों की गति समिति करने हेतु कठोर कदम तत्काल उठाए जाए, जिससे यहां पर डंपर निर्धारित गति से चले और आमजनों का जीवन सुरक्षित रहे। इसे रोकने में प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है।

प्रज्जवल योजना से रोशन होंगे गांव और शहर, पारेषण और वितरण प्रणाली की बदलेगी तस्वीर

सीहोर। जिले में बुधनी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज पर निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा सके, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रज्जवल योजना के तहत 16 करोड़ रूपए से अधिक के विद्युत प्रणाली उन्नयनीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन विकास कार्यों से बुधनी क्षेत्र में विद्युत वितरण की व्यवस्था मजबूत होगी, जिससे एक ओर उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति मिलेगी वहीं ब्रेकडाउन कम होंगे और प्रणाली की क्षमता वृद्धि से उपभोक्ताओं को सीधे फायदा मिलेगा।

÷प्रज्जवल योजना÷ के तहत पारेषण और वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के कार्यों में साड़े 12 करोड़ की लागत से सरदार नगर, परसवाड़ा, खेरी, खोहा, डिमावर, छीपानेर एवं गोपालपुर सहित कुल 7 स्थानों पर 5 एमव्हीए क्षमता के 33/11 केव्ही के नवीन उपकेन्द्र की स्थापना की गई है, जिससे 41 ग्रामों के करीब 8 हजार 600 से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं।

कार्यालय नगर परिषद बरेली, जिला रायसेन (म.प्र)

क्रमांक /1132/ न.प. / 23 बरेली, दिनांकः-20/ 06/2023

Email-ID cmobareli@mpurban.gov.in

इश्तहार

एतद् द्वारा आम व खास जनता को इस इश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक नगर परिषद् बरेली, तहसील बरेली जिला रायसेन द्वारा आवेदन पत्र म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अधीन प्रस्तुत कर नीचे दर्शित विवरण अनुसार भूमि / भवन नामांतरण हेतु प्रस्तुत किया है जिसका विवरण इस प्रकार है-

क्रं.	भूमि स्वामी का नाम	पिता/पति का नाम	जिसके पक्ष में नामांतरण होना है	वार्ड	ग्राम/ शहर का नाम	नामांतरण का आधार
1	श्री मुरलीमनोहर आचार्य	श्री बालमुकुन्द आचार्य	श्री राजेश केवट पुत्र श्री नर्मदाप्रसाद केवट	04	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
2	श्रीमति हसीना बी	श्री अब्दुल रहमान	श्रीमति परवीन बी पत्नि श्री चाँद मिंया	04	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
3	श्री परम कुमार राय	श्री शंकरलाल राय	श्री राकेश कुमार वर्मा पुत्र श्री बाबूलाल वर्मा	04	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
4	श्री अवधनारायण नामदेव	श्री बाबूलाल नामदेव	श्री राजुल वर्मा पुत्र श्री राकेश वर्मा	04	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
5	श्री विपिन श्रीवास्तव	श्री रामकिशोर श्रीवास्वत	श्रीमति सुनीता धाकड़ पत्नि श्री संतोष कुमार	05	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
6	श्री विपिन श्रीवास्तव	श्री रामकिशोर श्रीवास्तव	श्री जितेन्द्र राजपूत पुत्र श्री अनरतसिंह राजपूत एवं श्रीमति संगीता राजपूत पत्नि श्री जितेन्द्र राजपूत	05	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
7	श्रीमति कल्पना चतुर्वेदी	श्री हरिओम चतुर्वेदी	श्रीमति शाहजहाँ बी पत्नि श्री नसीम खान	05	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
8	श्री गोपाल अडवाणी	श्री धनराज अडवाणी	श्री रसिक सिंह रघुवंशी पत्नि श्री रम्मूसिंह रघवंशी	06	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
9	श्री पंकज माहेश्वरी	श्री सुरेश माहेश्वरी	श्रीमति सुरेखा राय पत्नि श्री लक्ष्मीनारायणराय	06	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
10	श्री विपिन श्रीवास्तव	श्री रामकिशोर श्रीवातस्व	श्रीमति देवकी विश्वकर्मा पत्नि श्री खेमचंद	06	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
11	श्री अजीत कुमार जैन	श्री कैलाश नारायण जैन	श्री अनुपम कुमार जैन पुत्र श्री कैलाशनारायण जैन	09	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
12	श्री शेख करीम	श्री शेख नबाव	श्री शेख अजीम खाँ पुत्र श्री करीम खाँ, वसीम खाँ पुत्र श्री करीम खाँ, मिसकिन खॉ पुत्र करीम खाँ, श्री शेख बादशाह पुत्र श्री करीम खाँ, श्रीमति शकीला बी पत्नि श्री मोहम्मद इरफान, श्रीमति जाकरा बी पत्नि श्री शेख मुजीव, श्रीमति नाजनीन पत्नि श्री मेहमूद	10	बरेली	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र के आधार पर
13	श्री शेख रफीक, श्री शेख रईस एवं श्री शेख नफीस	श्री शेख हबीव	श्रीमति समीना बी पत्नि श्री जकी बाबू	12	बरेली	दान पत्र, शपत्र पत्र के आधार पर
14	श्री सुनील कुमार एवं श्री नरेन्द्र कुमार	श्री रमेश कुमार राय	श्री राजुल वर्मा पुत्र राकेश वर्मा	12	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर
15	श्री लालचंद्र भावसार	श्री हक्कू भावसार	श्री कमलेश भावसार पुत्र श्री लालचंद्र भावसार	13	बरेली	मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
16	श्रीमति प्रेम बाई सोनी	स्व. श्री खुन्नुलाल सोनी	श्री प्रकाशचंद सोनी पुत्र स्व. श्री खुन्नु लाल सोनी एवं अशोक कुमार सोनी पुत्र स्व. श्री खुन्नु लाल सोनी	14	बरेली	मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
17	श्री सुरेश मोहता,	श्री कपूर चदं ,	श्री सुरेश मोहता पुत्र श्री कपूरचदं एवं श्रीमती उमा पत्नि श्री सुरेश मोहता	14	बरेली	रजिस्ट्री
18	श्री जगदीशप्रसाद शर्मा	श्री नर्मदाप्रसाद शर्मा	कु. निधि शर्मा पुत्री श्री जगदीशप्रसाद शर्मा	15	बरेली	रजिस्ट्री के आधार पर

अतः भूमि / भवन नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह 30 दिवस के अंदर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता से आपत्ति प्रस्तुत करा सकता है, बाद म्याद प्राप्त आपत्ति पर किसी प्रकार कि कोई सुनवाई नहीं कि जावेगी व नामांत्रण प्रकरण में विवाद की स्थिति में नामांत्रण स्वतः निरस्त माना जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बरेली

विधि विभाग में बीए- एलएलबी में प्रवेश हेतु किया गया प्रवेश परीक्षा का आयोजन

छतरपुर। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने वाले विश्वविद्यालयों में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर की विशेष पहचान है। बारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए वह जिस विभाग में प्रवेश ले रहे हैं क्या उनका अपने भविष्य निर्धारण का चयन सही है उस पाठयक्रम में वह कितना ज्ञान रखते हैं इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग के द्वारा सत्र 2023-24 में बी.ए.एल.एल.बी पाठ्यक्रम प्रवेश हेतु 20 जून 2003 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 412 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश परीक्षा में पंजीयन कराया था उसमें से 352 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा विदित शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता बनाये रखने के उद्देश्य से प्रवेश परीक्षा (स्यस्थ्रञ- 2023-24) का आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। प्रथम चरण में 20 जून को अयोजित प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। शेष पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए द्वितीय चरण

की परीक्षा 30 जून 2023 को आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी बी.ए.एल.एल.बी पाठयक्रम में प्रवेश ले सकेंगे। कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने प्रवेश परीक्षा की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। वर्तमान शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति करने हेतु छात्रों की रूचि एवं क्षमताओं के विकास के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन अति आवश्यक है। विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए । द्वितीय चरण की प्रवेश परीक्षा में समिल्लित होने के लिए निःशुल्क पंजीयन कराने की अन्तिम तिथि 28 जून निर्धारित की गई है। ऑनलाइन पंजीयन के अलावा आप मोबाइल नं. 62626 -18023 पर संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं।

भारतीय महिलाओं के पास सबसे ज्यादा सोना, जानें भारत में कहां सोने की खदान

सोना बहुत बहुमूल्य धातु है और यही वजह है कि कुछ लोग सोने में निवेश करते हैं। वहीं, घर में शादी हो या फिर कोई विशेष मौका, इन अवसरों पर सोने से बने आभूषणों को खरीदा या बनवाया जाता है। भारत में सोने का सबसे ज्यादा उत्पादन कर्नाटक राज्य में होता है। यहां कोलार एहुट्टी और उटी नामक खानों से भारी मात्रा में सोना निकाला जाता है। इसके अलावा आंध्र प्रदश और झारखण्ड के हीराबुद्दीनी और केंदरुकोचा की खानों से सोना निकाला जाता है।

भारतीय महिलाओं के पास 21 हजार टन सोना

दुनिया के कई देशों से निकाला जाता है। भारत भी इन देशों में शामिल है, लेकिन चीन में सबसे ज्यादा सोना निकाला जाता है। भारत में कई जगहों पर खादाने हैं, जहां से सोना निकाला जाता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, दुनिया में जब से सोने का खनन की शुरुआत हुई तब से अब तक करीब दो लाख टन सोना निकाला जा चुका है। भारतीय महिलाओं के पास 21 हजार टन सोना है। यह मात्रा सबसे ज्यादा है और दुनिया के टॉप पांच बैंकों के पास भी इतना सोना रिजर्व नहीं है।

सोना आमतौर पर या तो अकेले या पारे या सिल्वर के साथ मिश्र धातु के रूप में पाया जाता है। सोना कैलेवराइट, सिल्वेनाइट, पेटजाइट और क्रेनराइट अयस्कों के रूप में भी मिलता है। इन खदानों जरिए भारत हर साल 774 टन सोने की खपत की तुलना में करीब 1.6 टन सोने का उत्पादन करता है। वहीं पूरी दुनिया में 3 हजार टन सोना निकाला जाता है।

सोना निकालने की प्रक्रियाएं हैं

विस्फोटकों से किसी पत्थर को तोड़कर उसकी जांच भूविज्ञानी करते हैं और फिर उस चिन्हित चट्टान को डाइनेमाइट की मदद से तोड़ा जाता है द्य 300 से 500 मीटर की गहराई से करीब 1 टन पत्थर निकाला जाता है और पूरे दिन में करीब 300 टन मलबा बाहर निकाला जाता है द्य सोना एक जगह पर जमा नही होता है और यह स्वर्ण अयस्क के रूप में अलग-अलग जगह मिलता है।

पत्थरों की पिसाई ्इस निकाले गए मलबे के पत्थरों को मशीन की सहायता से बारीक बालू की तरह पीसा जाता है द्य इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब 4 से 5 घंटे लगते हैं। बालू को गीला करने की प्रक्रिया बालू में पानी डाला जाता है और फिर इसको एक टेबल पर डाला जाता है, जिस पर गीला कंबलनुमा कपड़ा बिछा रहता है द्य जब गीले कण इस कंबल की ऊपर से निकलते हैं, तो सोने के कण इस कंबल में चिपक जाते हैं और फालतू का पत्थर बाहर निकल जाता है। धोने की प्रक्रिया पानी में कंबल धोने से सोने के कण अलग हो जाते हैं द्य सोना मिश्रित इस पानी को टेबल पर डाला जाता है, जहां से पानी बह जाता है और सोने के अंश टेबल पर जमा हो जाते हैं द्य फिर इस जमा हुए सोने से बिस्किट, ईंट प्लेट और अन्य सामान बनाया जाता हैद्य

यदि अयस्क में सोने की मात्रा कम है, तो रासायनिक प्रक्रिया का सहारा लिया जाता है द्य खान से निकले पत्थरों और इसके चूर्ण को कार्बन पल्स प्लांट में प्रोसेस करते हैं द्य इस पर पोटेशियम सायनाइड डालकर 48 घंटे तक छोड़ देते हैं द्य सायनाइड से रासायनिक प्रतिक्रिया के बाद मलबे में छिपा सोना तरल रूप में बाहर आ जाता है द्य

दुनिया में सोने की प्रमुख खानें

किम्बरले (अफ्रीका), ग्रैसबर्ग (पापुआ), कार्लिन नवादा (अमेरिका), वेलाडेरो (अर्जेंटीना), लिहिर (पापुआ न्यू गिनी)इस प्रकार ऊपर दी गयी सोना निकालने की प्रक्रिया से एक बात तो स्पष्ट हो जाती है कि सोना निकालना एक बहुत ही कठिन प्रक्रिया है यही कारण है कि बाजार में सोने के दाम इतने ज्यादा होते हैं ।

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने मनाया 17वां स्थापना दिवस

सांध्यप्रकाश समाचार

भोपाल। बीएमए भोपाल ने अपना 17वां स्थापना दिवस विद्या भवन सभागृह में आयोजित किया गया जिसमे प्रबंधन और चुनौतियां पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में चेयरमैन प्रदीप करंबेलकर ने स्वागत किया और 16 वर्ष की निरंतरता के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर फाउंडर मेंबर जया आर्य जी के छिब्बर, विश्वास घुसे, सुनील भार्गव ने अपने अनुभव सुनाए। नए सदस्यों डॉ. रूपाली बजाज, सलिल चटर्जी, वी एन पाठक, शिखा भार्गव, एसके राय, संजय अग्रवाल, एन के छिब्बर, मनोज झा, आदित्य गुप्ता ने सुझाव दिए । कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष आरजी द्विवेदी ने व आभार प्रदर्शन राजीव अग्रवाल ने किया।

यूएस बेस्ड एलटी 1, इंक (आईएनसी) ने दिया देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड में इक्विटी शेयर हासिल करने का खुला ऑफर

अहमदाबाद, एजेंसी। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड (बीएसई-543462, एनएसई) क्लाउड, ऑटोमेशन और डेटा टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रदान करने वाला एंड टू एंड (शुरू से अंत तक) टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर है। बोर्ड ने 16 जून, 2023 को संपन्न हुई अपनी बैठक में प्रमोटर, प्रमोटर समूह (विक्रेता) और अमेरिका स्थित एलटी 1, इंक (अधिग्रहण कर्ता) के सदस्यों के बीच शेयर परचेज एग्रीमेंट के क्रियान्वयन को मंजूरी दी। जहां प्रमोटर के सदस्य और प्रमोटर ग्रुप ने अधिग्रहण कर्ताओं को 86,98,885 शेयर बेचने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा शेयरधारकों के अरूवल से 57, 24, 907 शेयरों के प्रेफरेंशियल इश्यू द्वारा इक्विटी शेयरों के आवंटन को 134.50 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर मंजूरी दी।

अमेजन प्राइम के फायदों का गुलदस्ता मध्य प्रदेश के ग्राहकों के बीच लगातार बांट रहा है खुशियां

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन प्राइम अपने ग्राहकों को खरीदारी से लेकर मनोरंजन जैसे कई बेजोड़ फायदे प्रदान करता है। इसी के साथ ही अमेजन प्राइम ने हमेशा से ही ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने, उन्हें अधिक से अधिक विकल्प प्रदान करने और प्रत्येक ग्राहक के जीवन में ज्यादा से ज्यादा खुशियां भरने का प्रयास किया है। मध्य प्रदेश के मेट्रो शहरों से लेकर बालाघाट, बुरहानपुर, देवास, गुना, मंदसौर, पन्ना और रीवा जैसे छोटे शहरों तक, प्राइम ने भारत के 99.5त्न पिन कोड में सेलर्स और छोटे कारो?बारियों को सशक्त बना रहा है। इसी के साथ ही अमेजन, देश भर में मौजूद अपने मैंबर्स के लिए शॉपिंग, मनोरंजन और बचत का एक खास मिश्रण पेश करता है।

केस कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने इंडिया और सार्क ऑपरेशन के लिए शलभ चतुर्वेदी को मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सीएनएच इंडस्ट्रियल (एनवाईएसई: सीएनएचआई) के ब्रांड केस कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने श्री शलभ चतुर्वेदी को इंडिया और सार्क क्षेत्र का मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 01 जून, 2023 से प्रभावी है। श्री चतुर्वेदी एक दशक से अधिक समय से सीएनएच इंडस्ट्रियल के साथ हैं, कंपनी के निर्माण उपकरण खंड के भीतर वाणिज्यिक, औद्योगिक और अनुसंधान एवं विकास कार्यों में विभिन्न नेतृत्व पदों पर रहे हैं।

अच्छी हाइड्रेशन, जीवन शैली में परिवर्तन और उचित उपचार विकल्पों से सिकल सेल संकट को रोका जा सकता है: डॉ अंकित जीताणी

अहमदाबाद, एजेंसी। विश्व सिकल सेल दिवस हर साल 19 जून 2023 को मनाया जाता है। हमारे लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) के भीतर निहित हीमोग्लोबिन द्वारा ऑक्सीजन का परिवहन हमारे रक्तप्रवाह में होता है। एक स्वस्थ व्यक्ति में आरबीसी में लचीली डंब बेल का आकार होता है जो उन्हें रक्त वाहिका के माध्यम से आसानी से यात्रा करने की अनुमति देता है। सिकल सेल एक विरासत में मिली स्थिति है जो आरबीसी के आकार को बदल देती है, जिससे उनके लिए रक्त वाहिका के माध्यम से यात्रा करना मुश्किल हो जाता है जिससे संभावित रुकावटें होती हैं। डॉ अंकित जीताणी, हेमेटोलॉजी कंसल्टेंट, मरेंगो सिम्स अस्पताल के हेमेटो-ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट, अहमदाबाद, हमारे देश में सिकल सेल लक्षण और बीमारी का वितरण विविध है।

दुनिया के नंबर 1 डीप फ्रीजर ब्रांड हायर को रंजनगांव, पुणे में भारतीय विनिर्माण इकाई के लिए आईएसआई प्रमाणन प्राप्त हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए, घरेलू उपकरणों में वैश्विक लीडर और लगातार 14 वर्षों से प्रमुख उपकरणों के क्षेत्र में दुनिया के नंबर 1 ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया (हायर इंडिया) ने आज घोषणा की कि रंजनगांव, पुणे स्थित उसकी अत्याधुनिक डीप फ्रीजर निर्माण इकाई ने प्रतिष्ठित आईएसआई प्रमाणन प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा जारी प्रमाणन, पुष्टि करता है कि इस कारखाने में निर्मित सभी उत्पाद ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करते हुए सुरक्षा, स्थायित्व और प्रदर्शन के उच्चतम मानकों को पूरा करते हैं। सतीश एनएस, प्रेसीडेंट, हायर इंडिया, ने आईएसआई प्रमाणन प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमें रंजनगांव, पुणे में अपनी विनिर्माण इकाई के लिए आईएसआई प्रमाणन प्राप्त करने पर गर्व है।

Indian Economy - Before and After 9 Years of Modi

N K Tripathi

In June 2023, after nine years of Modi's government, the state of Indian economy is poised for an interesting future. However Modi's reign should not be viewed in isolation. It is only a continuation of a journey since 1951, with a very special gear in 1991. India almost wasted its first four decades in the race of rapid growth. However to be ?fair,? in four decades since ?1951, India had embarked on a full fledged planned economy. The first few plans focused on ?strengthening of the manufacturing and industrial sector and agriculture, to form the backbone of the Indian economy. A revolutionary change due to a crisis was brought by the able leadership of PV Narasimha Rao, helped by his outstanding finance minister, Dr Manmohan Singh. In 1991, India saw itself battling its most critical economic and currency crisis ever, but after economic reforms and adopting the policy of Liberalisation, Privatisation and Globalisation, Indian economy found a trajectory of rapid growth. Under many governments in 90s, and during UPA and Modi's time, the growth has continued. India's gross domestic product (GDP), adjusted for inflation, increased from $266 billion in 1991 to $3.7 trillion in 2023. India is the fourth largest share market in the world. By 2028 India will be the third largest economy in the world. In this century, there were many hiccups in the path of growth. The second tenure of UPA was marked by policy paralysis slowing the growth. In Modi's time misadventure of demonetisation, teething troubles in introducing GST, COVID-19 pandemic and Russia-Ukraine war created big hurdles. The country has overcome those difficulties. The introduction of GST has stabilised and given a push to taxation. In April 2023, the GST collection was Rs 1.87 lakh crore. The GDP growth in 2022–23 surprised everyone with 7.2%. The forecasts for the present fiscal have been amended upward from Moody's earlier 4.8% to 6.5%. Modi fervently continued the path of reforms. A remarkable achievement has been the adoption of digital technology in all aspects. Introduction and use of Aadhaar on a massive scale and use of UPI, opening of 48 crore Jandhan bank accounts and the system of Direct Benefit Transfer has seen an efficiency in Indian financial management never imagined before. Insolvency and Bankruptcy Code has helped PSUs to restore their financial health. Make in India with the help of Profit Linked Incentive is changing the manufacturing sector. Now India is about to produce its own semiconductors and Apple has opened its production. At long last India has started manufacturing quality defence equipments. The most remarkable contribution of Modi government has been its sizeable push to infrastructure. India is building many Expressways, airports and houses and latrines for common man. There is rapid growth of railways and road network. India is now spending about Rs 10 lakhs crore this year on infrastructure and we will see many Sea-Links in places like Mumbai. At the same time Modi tried for labour reforms with only limited success. Modi politically failed to introduce Agricultural reforms. Overall Modi has made a very strong base for India to jump in future. Which ever government comes in future, it will be benefited by these reforms and infrastructure for rapid development. India is seeing rise of many start-ups and billionaires. Some rich are getting richer and money is getting concentrated in the hands of a few tycoons. But poor are not getting poorer. Under a massive scheme, unknown in scale in the world, India is feeding its 80 crore people free of cost for the last three years. Per capita income of the poorest section is also rising, though incrementally. Coming two decades will be fateful in the world history. Shortly, China will start slowing while India will have its full potential to bloom into reality.

भारी मांग से प्रेरित डेन्यूब प्रॉपर्टीज़ ने दुबई में 90 करोड़ दिरहम की परियोजना एलिट्ज़ 2 लांच की

बालीवुड सुपरस्टार मलाइका अरोड़ा की उपस्थिति में यह परियोजना लांच की गई

नयी दिल्ली/ मुंबई, एजेंसी। यूएई में सबसे तेजी से बढ़ते निजी रीयल एस्टेट डेवलपर डेन्यूब प्रॉपर्टीज़ (डेन्यूब ग्रुप का हिस्सा) ने यूएई के विदेश व्यापार मंत्री माननीय डॉक्टर थानी बिन अहमद अल जेयोउदी और बॉलीवुड सुपरस्टार मलाइका अरोड़ा की उपस्थिति में जुमेराह विपेज सर्किल (जेवीसी) में 90 करोड़ दिरहम से अधिक मूल्य की एलिट्ज 2 परियोजना लांच करने की घोषणा की।

विविध कारोबार में लगे डेन्यूब ग्रुप को ष्यूएई में शीर्ष भारतीय कारोबारी नेताओंष् में से एक रिज़वान साजन द्वारा लांच किया गया। डेन्यूब ग्रुप की कंपनी डेन्यूब होम, जीसीसी में सबसे बड़े होम डेकोर रिटेलर्स में से एक है जहां पूरे क्षेत्र में वह अपने पांव पसार रही है और इसके तीन शोरूम बेंगलूरू और हैदराबाद में स्थित हैं। एलिट्ज़ 2 वर्ष

2014 में इस कंपनी द्वारा विकास गतिविधियां शुरू करने के बाद से पिछले नौ वर्षों में उसकी 23वीं रिहाइशी परियोजना है और पिछले 16 महीनों में लगातार लांच होने वाली आठवीं परियोजना है जिसका अर्थ है कि इस कंपनी द्वारा हर दो महीने में एक परियोजना लांच की गई और इस तरह से यह यूएई में व्यस्ततम निजी रीयल एस्टेट डेवलपर है। डेन्यूब प्रॉपर्टीज एक बार में एक परियोजना लांच कर उसे बेच देने की नीति पर चलती है और फिर अगली परियोजना शुरू करने से पहले उस परियोजना के निर्माण के लिए एक ठेकेदार नियुक्त करती है। इसने अभी तक लांच की गई 23 परियोजनाओं में से एक 22 परियोजनाएं बेच दी हैं और इनमें से 12 की डिलीवरी की है, जबकि बाकी निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इस परियोजना में स्मार्ट और टिकाऊ मकान होंगे जो ऊर्जा की कम खपत करेंगे।

ट्रक ने लॉन्च किए बीटीजी नीयो टीडब्ल्यूएस बड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते ऑडियो ब्रांड ट्रूक ने आज अपने नवीनतम टीडब्ल्यूएस बड्स, ट्रूक बीटीजी नीयो पेश किया।इसमें क्रिस्टल क्लियर कालिंग के लिए 6 माइक्रोफोन, डुअल पेयरिंग, 35एमएस अल्ट्रा-लो लेटेंसी और इस सेगमेंट में पहली बार पेशअन्य कई फीचर हैं जो उपभोक्ताओं की उभरती मांगों को पूरा करेंगे। टीडब्ल्यूएस की कीमत अन्य से कम केवल 1699 रुपये है। कॉलिंग में तनिक बाधा नहींःअच्छे ऑडियो के शौकीन लोगों की अलग-अलग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए ट्रूक बीटीजी नीयो टीडब्ल्यूएस बड्स में नए इनोवेटिवफीचरों की एक पूरी रेंज़ है। यूजर छह बिल्ट-इन माइक्रोफोन से कॉल की बेजोड़ गुणवत्ता और बातचीत का इमर्सिव आनंद ले सकते हैं।इसलिए यहनिजी उपयोग और कारोबार के लिए भी लाजवाब है। इसकी छह-माइक इन्वायरनमेंटल न्वाइज़ कैंसेलेशन (ईएनसी) तकनीक कॉल के दूसरीओर मौजूद व्यक्ति के लिए बैकग्राउंड की आवाज समाप्त करने में असरदारहै।इस तरह शोर-गुल में भी बात करने में कोई बाधा नहीं होती है।

टाटा पावर इस वित्त वर्ष अपना पूंजीगत खर्च दोगुना बढ़ाकर 12,000 करोड़ रुपये करेगा

हरित ऊर्जा को उपयोग में लाने हेतु बेहतर रूप में सशक्त

मुंबई , एजेंसी। भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक, टाटा पावर ने आज वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शेयरधारकों की 104वीं वार्षिक आम सभा (एजीएम) आयोजित की। टाटा पावर के अध्यक्ष श्री नटराजन चंद्रशेखरन ने अपने भाषण में शेयरधारकों को कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, रणनीतिक योजनाओं और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। चंद्रशेखरन ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा,टाटा पावर, सबसे बड़े एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक होने के नाते, इस क्षेत्र में विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त स्थिति में है। विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, टाटा पावर ने इस वित्तीय वर्ष में लगभग 12,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है, जो वित्त वर्ष23 के पूंजीगत खर्च का दोगुना है। डिस्कॉम के कायापलट में कंपनी के सफल ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, जब भी नीतिगत सुधार किए जाएंगे, यह निजीकरण के अवसरों में भाग लेने की कोशिश करेगी। टाटा पावर चौबीसों घंटे हरित ऊर्जा समाधान प्रदाता बनने के लिए परिवर्तन की राह पर लगातार बढ़ रहा है। यह अपने वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बैटरी स्टोरेज, पंप वाली हाइड्रो परियोजनाओं जैसे स्वच्छ ऊर्जा समाधान विकसित कर रहा है। कंपनी अक्षय ऊर्जा स्रोत से स्थिर, विश्वसनीय और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऑफशोर विंड, ग्रीन हाइड्रोजन जैसी नई तकनीकें तलाश रही है।

टाटा एआईए ने अनोखे डिजिटल अभियान के जरिए पापा की जादूई पॉकेट का सेक्रेट बताया

नर्मदापुरम एजेंसी। एक पिता अपने बच्चों की सुरक्षा और भरण-पोषण के लिए हर संभव प्रयास करता है बाधाओं को आड़े नहीं आने देता और वह हमेशा एक रहस्यमयी तरीके से इन कार्यों को करता है इस फादर्स डे पर भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक टाटा एआईए लाइफइंश्योरेंस ने जादूई पॉकेट का सीक्रेट नामक एक विशेष डिजिटल अभियान शुरू किया इसमें इस बात के रहस्य से पर्दा हटाया गया है कि किस तरह से एक पिता अपने बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए यह सब कुछ कर पाता है। फिल्म पर टिप्पणी करते हुए टाटा एआईए लाइफइंश्योरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी गिरीश कालरा ने कहा परिवार का भरण-पोषण करने वाले व्यक्ति के रूप में एक पिता मौन रूप में कई त्याग करता है ताकि उसके बच्चे सुरक्षित रहें और उनकी अच्छी देखभाल हो यही कारण है कि वह हमारा पहला सुपरहीरो है प्यार देखभाल ताकत और उन सभी गुणों का अवतार जिनके जैसा होने के लिए हम प्रयास करते हैं हमारे अपने बचपन की यादों पर आधारित इस भावनात्मक रूप से मर्मस्पर्शी फिल्म के माध्यम से हम उन सभी पिता के प्रति श्रद्धा प्रकट करना चाहते हैं जो अपने प्रियजनों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करते हैं हमारी गारंटीशुदा आय योजना सही तरीका है जिससे पिता विवेकपूर्ण वित्तीय योजना के माध्यम से अपने बच्चों की आकांक्षाओं को पूरा करने की योजना बना सकते हैं। फॉरेस्ट फिल्म्स के सह-संस्थापक सिद्धार्थ चेउलकर ने कहा फॉरेस्ट फिल्म्स ने एक पिता की शर्ट की पॉकेट के रहस्य को उजागर करने का आइडिया लिया जिसका उपयोग आमतौर पर भारतीय पिता अपने पैसे रखने के लिए करते हैं बच्चों को लगता है कि इस शर्ट की जेब में जादू है क्योंकि यह उनकी इच्छाओं को पूरा करती है और उन्हें हमेशा खुश रखती है इसे एक रूपक के तौर पर उपयोग करते हुए हमने जादू से भरी जेब को टाटा एआईए लाइफइंश्योरेंस की फॉर्च्यून गारंटी प्लस योजना से जोड़ा जिसमें बच्चे की मुस्कान के लिए कभी न खत्म होने वाली आपूर्ति होती है जो पॉलिसी धारकों को नियमित आय सुनिश्चित करती है फॉरेस्ट फिल्म्स का मानना है कि इस फिल्म को हर दिन और खासकर फादर्स डे पर दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जाएगा।

Notice Inviting e-Tenders

Mdhya Pradesh poorv Kshetra Vidyut Vitaran Company Limited Civil Works Department,
Offce of the Executive Engineer(Civil)M.P.P.K.V.V.C.L Chhindwawar
Contact - Phone 07162-222715 email-eecivilchhinwara@rediffmail.com

N.I.T. No E.E. civil/chhindwara/purchase/02/e-tenderig ---------- dated21/06/2023

Online percentage rate bids for the following works are invited from registred contractors fulfilling the desired eligibility criteriaM:

S. No	On line tender	Work	District(s)	Probable Amount (Rs.in Lakh)	E.M.D. in Rs.	Category of Contractor	Cost of Tender documen including GST	Nos of Call	Completion Period (months)
01	2023_ PKVVC_ 285255	Extension of C/R & ELECTRIFICATION WORK AT 33/11 KV S/s Bonkatta under O&M Dn. Waraseoni.	Balaghat	6,64,890/-	6,650/- EMD will be accepted through RTGS/ NEFT	"c" Class & Above in MPPWD or "A" class and Above in MPP-KVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs.1180/- through RTGS/ NEFT	IInd Call	03 Months i/c rainy Season
02	2023_ PKVVC_ 285490	Renovation of Bangava DC Office & Control Room i/c constn. of U/A Water Tank at 33/11 KV S/s Kalamgao at Tahsil Pandhurna Distt. CWA	Chhindwara	6,53,928/-	6,550/- EMD will be accepted through RTGS/ NEFT	"c" Class & Above in MPPWD or "A" class and Above in MPP-KVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs.1180/- through RTGS/ NEFT	IInd Call	03 Months i/c Rainy Season
03	2023_ PKVVC_ 285782	Renovation of DC Office i/c R&M Work of Profile Sheet C/R at 33/11 KV S/s Rajegaon.	Balagahat	7,74,129/-	7750/- EMD will be accepted through RTGS/ NEFT	"c" Class & Above in MPPWD or "A" class and Above in MPP-KVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs.1180/- through RTGS/ NEFT	IInd Call	03 Months i/c Rainy Season
04	2023_ PKVVC_ 285987	Renovation of Old H-Type Qtr. for DC Office at Waraseoni & Sawangi at 33/11 KV S/s Waraseoni Campus Distt. Balaghat	Balagahat	8,59,273/-	8,600/- EMD will be accepted through RTGS/ NEF	"c" Class & Above in MPPWD or "A" class and Above in MPP-KVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs. 1180/- through RTGS/ NEFT	IInd Call	03 Months i/c Rainy Season
05	2023_ PKVVC_ 285997	Extension of Boundry Wall With concertina coil fencing for STM/STC Dn. office at Balaghat	Balagahat	2,19,469/-	2,200/- EMD will be accepted through RTGS/ NEFT	"C" Class & Above in MPPWD or "B" class and Above in MPPKVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs.590/- through RTGS/ NEFT	IInd Call	03 Months i/c Rainy Season
06	2023_ PKVVC_ 286012	Interior - Exterior Wall painting with Misc maintainence work of O&M Dn. office Pandhurna with Roof Treatment work of "D" Type Qtr. at Pandhurna	Chhindwara	1,84,153/-	1,850/- EMD will be accepted through RTGS/ NEFT	"C" Class & Above in MPPWD or "C" class and Above in MPPKVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs.590/- through RTGS/ NEFT	IInd Call	01 Months i/c Rainy Season
07	2023_ PKVVC_ 286021	Extension & Renovation work of Meter Testing Lab at 33/11 KV S/s Premises Chhindwara	Chhindwara	5,64,341/-	5,650/- EMD will be accepted through RTGS/ NEFT	"C" Class & Above in MPPWD or "A" class and Above in MPPKVVCL/ Successor company of MPSEB	Rs. 1180/- through RTGS/ NEFT	Ist Call	01 Months i/c Rainy Season

1. Rates Mentioned in the BQ of the work are applicable on PWD SOR for Building works & Electrical SOR w.e.f. 01-12-2020 since it is approved by the company
2. The Rate quoted by the Contractor shall be exclusive of GS . Other Taxes are applicable as per Government Rule .
3. The contractor can view the detailed notice and the time schedule for all the tenders processed using the e-Procurement System on the web-site https://mptenders.gov.in. Only a brief Advertisement related to the Tender shall be published in the newspapers, our company's website www.mpez.co.in and the Detailed Notice shall be published on the e-Procurement System.
4. The Bid Document can be purchased only online from 22/06/2023 10:30 PM to 05/07/2023 17:30 PM through online payment.
5. Amendments to NIT, if any, would be published on website , and newspaper
6. The contractor shall submit the Reciept of E.M.D payment through RTGS/NEFT only & affidavit for Rs. 100/- during online Bid Submission.
7. The tender document can be purchased only online from the above web side after making online payment using card or internet banking account Detailed NIT and other detailed can be view on the above mentioned portal.
8. The Bidder should be registered in EPF department & GST.
9. SOR with effects from 01/12/2020 MPPWD SOR for Building Works/Electrical Works..
10. Before engagement of labours , the contractor have to achieve license from Labour Officer Chhindwara, under act 12 , otherwise tender will not be accepted.
11. The Contractor shall submit the undertaking/declaration (as enclosed under schedule II & III) CA Certificate on the non-judicial stamp paper worth Rs.500/- duly notarized to fulfill, Commercial terms & condition and the Technical requirements of the Tender Specification.
12. The Contractor/Bidder shall submit the Certificate (as enclosed under schedule III) on the Letter Head of the Chartered Accountant Firm to Fulfill the Financial Criteria for latest financial Year as required, under clause 1-2 (a) & (b) Annexure-II of the Tender.
13. Only three Nos. running account bill (including 3rd & final bill) for each project order will be prepared & submitted against the work.

Executive Engineer (Civil) O/o SE (civil)
M.P.P.K.V.V.C.L Chhindwara
Signature and Designation

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ 24 जून को आयेंगे

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ 24 जून को प्रातः 8.30 बजे स्टेट हेंगर भोपाल से विशेष विमान से प्रस्थान कर प्रातः 9 बजे छिन्दवाड़ा आयेंगे और प्रातः 9.10 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा छिन्दवाड़ा से मंडला जिले के लिये प्रस्थान करेंगे। आप दोपहर 1 बजे हेलीकॉप्टर से मंडला से प्रस्थान कर दोपहर 1.45 बजे छिन्दवाड़ा आयेंगे और कमलकुंज शिकारपुर में ठहरेंगे।

धूमधाम से मनाया गया सांसद नकुल नाथ जी जन्म दिन

कार्यकत्ताओं ने केक काटकर नकुल नाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं

छिंदवाड़ा। जिले के युवा सांसद नकुल नाथ का जन्म दिन प्रतिवर्षानुसार इस बार भी जिले में भारी उत्साह व उमंग के साथ धार्मिक स्थलों में दीर्धायु हेतु पूजा पाठ कर मनाया गया इस अवसर पर वार्ड क्रमांक ~2 के समन्वयक मुकेश उपाध्याय ने कहा कि जिले के सांसद नकुल नाथ के प्रयासों से जिले में निरंतर युवाओं महिलाओं एवं आम जनता के हित में अनेकों कार्य हुए हैं उनके द्वारा समाज कल्याण के लिए भरसक प्रयास किये जा रहे हैं सासंद नकुल नाथ के बेरोजगार युवाओं को विभिन्न संस्थानों में रोजगार उपलब्ध कराने के अलावा विधार्थियो को कोचिंग प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था की गई है साथ ही सासंद निधि व अन्य मंदो सम्पूर्ण जिले में सड़कों का जाल बिछाया है उनके अथक प्रयासों से जिले का सम्पूर्ण विकास हुआ है एवं समाज का प्रत्येक वर्ग लाभन्वित हुआ है इसी तारतम्य में वार्डो क्रमांक ~2 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूजा पाठ के अलावा केक काटकर धूमधाम से जिले के सांसद नकुल नाथ का जन्म दिन मनाया गया एवं सांसद नकुल नाथ के दीधायु होने की कामनाएँ की इस दौरान प्रमुखतः दुर्गा साहू, श्रीमती सरला साहू, बिंजू मामन विशाल सोनी ,गोपाल ऊइके, राजेश यादव, आकाश आहाके आदि उपस्थित थे।

जिला स्तरीय टीबी मुक्त कार्यशाला

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी र्थ जयसवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टीबी मुक्त पंचायत कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागृह में किया गया, कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जी सी चौरसिया द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में एवं टीबी मुक्त पंचायत के समस्त बिंदुओं पर संक्षिप्त जानकारी दी गई, बैठक में जिला क्षय अधिकारी डॉ अर्चना कैथवास, मीडिया अधिकारी, डॉ प्रमोद वासनिक,समस्त ब्लॉको से खंड चिकित्सा अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जनपद), डीपीसी, डीआरटीबी कॉर्डिनेटर, एन टी ई पी स्टाफ, प्राइवेट पार्टनर्स (दीपक फाउंडेशन एवं पिरामल फाउंडेशन आदि से सभी डिस्ट्रिक्ट लीड/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेंशनर सेवा संघ की मासिक बैठक

छिंदवाड़ा। पेंशनर सेवा संघ की मासिक बैठक नगर के इंदिरा प्रियदर्शनी पार्क में आयोजित की गई द्य इस बैठक में पेंशनरों के महंगाई भत्ते को सरकार द्वारा नहीं जी दिए जाने पर सभी सदस्यों ने असंतोष व्यक्त किया तथा महंगाई भत्ते की राशि प्राप्त करने हेतु आगामी समय पर संघर्ष करने की रूपरेखा बनाई गईद्य इस अवसर पर पेंशनर्स सेवा संघ के सदस्यों में वासुदेव , जीपी सनोदिया, राम सिंह सिसोदिया, एमएस चंदेल , वीके साहू आदि की उपस्थिति रही।

नेर जमुनिया में दो पक्षों में हुई मारपीट, काउंटर प्रकरण पंजीबद्ध

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत सिंगोडी चौकी के ग्राम जमुनिया नेर के रहने वाले शिवराम एवं किशन लाल के बीच खेत जोतने को लेकर विवाद हो गया जिसमें शिवराम को गुड्डू मालवी वगैरा ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिया वहीं किशनलाल को शिवराम ने भी गाली गुप्तार कर मारपीट किया दोनों की रिपोर्ट पर किशनलल के विरुद्ध ह्यष्-ह्यह्ल अधिनियम की धारा तथा अन्य धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध हुआ वही शिवराम वगैरह के ऊपर भी प्रकरण बनाया गया पुलिस द्वारा दोनों पक्षों के विरुद्ध काउंटर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पैरालीगल वालेंटियर्स का ओरियन्टेशन कोर्स प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशानुसार जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सविता ओगले के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा के तत्वावधान में आज कार्यरत पैरालीगल वालेंटियर्स का ओरियन्टेशन कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश श्री शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया । जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती ओगले ने बताया कि कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर मार्गदर्शन दिया । उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विधिक साक्षरता शिविर, लीगल एड क्लीनिक और पी.एल.व्ही. के कर्तव्य व दायित्व के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्रीमती वीणा खलखो द्वारा बालकों से संबंधित कानून की जानकारी प्रदान की गई। इसी प्रकार समग्र सामाजिक सुरक्षा अधिकारी द्वारा सामाजिक न्याय विभाग श्रीमती नीना उईके द्वारा विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बाल संरक्षण अधिकारी श्री चंद्रशेखर नागेश द्वारा चाईल्ड लाईन का उद्देश्य व उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। जेल उप अधीक्षक श्री ज्ञानांशु भारतीय द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों के अधिकार एवं जेल में विधिक सहायता पहुंचाने में पी.एल.व्ही. की भूमिका विषय पर जानकारी दी गई।

वीरांगना दुर्गावती की शौर्य गाथाओं को जन जन तक पहुंचायें: उइके

यात्रा प्रभारी एवं बैतूल सांसद दुर्गादास उइके ने गौरव यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाकर यात्रा को किया रवाना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया नमन

छिन्दवाड़ा। जिला मुख्यालय में रानी दुर्गावती चौक से वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का शुभारंभ हुआ जो रामगढ़ी, घाट परासिया, उमरिया ईसरा, झिलमिली, मरकाहांडी, नवेगांव, चौरई नगर, डुंगरिया व खैरीखुर्द होते हुये समसवाड़ा पहुंची और सिवनी जिले के लिए रवाना हुई। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह ढोल-बाजे, लोक नृत्य, पुष्प वर्षा आदि से गौरव यात्रा का आत्मीय स्वागत हुआ । भारत के शौर्य व स्वाभिमान का प्रतीक और प्रदेश का गौरव वीरांगना रानी दुर्गावती की शौर्य गाथाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गौरव यात्रा का आज प्रदेश के 5 स्थानों से शुभारंभ हुआ। छिंदवाड़ा से शहडोल तक की रूट क्रमांक-2 की यात्रा का शुभारंभ छिंदवाड़ा जिला मुख्यालय के रानी दुर्गावती चौक खजरी रोड से किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम यात्रा प्रभारी एवं बैतूल सांसद दुर्गादास उईके एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने चौक पर स्थित वीरांगना दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा कर श्रध्दासुमन अर्पित किए और उन्हें नमन किया। इसके बाद गौरव यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। इस दौरान यात्रा प्रभारी एवं बैतूल सांसद श्री उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दुर्गावती महारानी.....गढ़ मंडला की रानी....गीत प्रस्तुत किया जिसे सभी ने दोहराया। पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती व पं.रमेश दुबे, और सिकल सिंह भांवर ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीरांगना रानी दुर्गावती के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला एवं शासन द्वारा जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए किए गए कार्यों, योजनाओं और उनसे जनजातीय समाज में आए सकारात्मक परिणामों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। इसके बाद यात्रा प्रभारी एवं बैतूल सांसद दुर्गादास उईके ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ शासन द्वारा तैयार गौरव यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाकर इस गौरव यात्रा को चौरई मार्ग से होते हुए सिवनी जिले के लिए रवाना किया। इस दौरान जनजातीय कलाकारों ने रंग-बिरंगी आकर्षक वेशभूषा में ढोल, टिमकी की धुन पर लोक नृत्य करते हुए अपना उत्साह प्रदर्शित किया।आभार प्रदर्शन जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कांता ठाकुर ने किया। वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा, एडीएम ओ.पी.सनोडिया, एएसपी संजीव उईके, एसडीएम अतुल सिंह, सीएसपी श्रीमती प्रियंका पांडे सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एस.एस.मरकाम, म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक कुलदीप सिंह ठाकुर, भारिया विकास प्राधिकरण तामिया के अध्यक्ष दिनेश कुमार अंगारिया, जिला पंचायत सदस्य कमलेश उईके, नगर पालिक निगम में नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, सर्वश्री सिकल सिंह भांवर, रमेश पोफली, शेषराव यादव, श्रीमती कामिनी शाह, टीकाराम चंद्रवंशी, आशीष ठाकुर, गुरुप्रसाद धुर्वे, अगहन शाह उईके, अंकुर शुक्ला, बालाराम परतेती, रामनारायण परतेती, राहुल उईके, संजय पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधीगण, जनजातीय समाज के वरिष्ठ जन और आम नागरिक उपस्थित थे।

सब जानते हैं कि आरोपी कौन, फिर भी प्रशासन मौन, ग्राम भुतेरा की घटना निंदनीय: कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। जिला सहित सम्पूर्ण प्रदेश में भाजपा सरकार की सरपरस्ती और तथाकथित प्रशासनिक अधिकारी व कतिपय ठेकेदारों द्वारा नदी, नालों सहित सरकारी भूमि पर स्थित पहाड़ी व टीलों को छलनी कर अवैध रेत और मुरम के उत्खन्न किये जाने के बाद भी जिम्मेदारों के विरुद्ध किसी भी तरह की कार्यवाही का ना किया जाना अधिकारियों और आरोपियों के बीच फोनो फ्रेन्ड के रिश्तों को उजागर कर रहा है। गत दिवस पूरी दबंगाई के साथ छिन्दवाड़ा ग्रामीण के ग्राम भुतेरा में अवैध उत्खन्न कर्ताओं द्वारा खनिज और राजस्व की टीम हमला कर जब्त वाहन छुड़ाकर ले जाना प्रशासनिक असफलता व लापरवाही का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

एक विज्ञप्ति के माध्यम से ग्राम भुतेरा में घटित घटना पर तीखी प्रक्रिया व्यक्त करते हुये जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी ने जिला प्रशासन को घेरते हुये कहा कि खनिज और राजस्व विभाग की टीम पर हुये हमले में आरोपियों द्वारा जब्त वाहन को छुड़ाकर ले जाने के साथ ही महिला खनिज अधिकारी के साथ की गई अभद्रता और वाहनों में तोड़फोड़ किये जाने की घटना को जिला प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जाना यह सिद्ध करता है कि जिला प्रशासन प्रदेश की सत्ता की दासता में काम कर रहा है, घटना के 60 घंटे बीत जाने पर किसी भी आरोपी के विरुद्ध अब तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है।

श्रीमती किरण चौधरी ने आगे कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे जिले में अक्सर ऐसी घटनायें घटित होती रही है अभी हाल ही में सौंसर क्षेत्र के एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने एक पत्रकार को जान से मारने की धमकी दे डाली, इसके पूर्व एक राष्ट्रीय स्तर के नेता ने जिला कलेक्टर के स्वागत द्वार पर खड़े ना होने का मुद्दा बना लिया, जिले में अनेकों शासकीय कार्यालयों में सरकारी कर्मचारियों के साथ गमछाधारी रोज अभद्रता कर रहे हैं इतना ही नहीं अनेकों बार पुलिस प्रशासन के कर्मचारियों को भी शर्मसार होना पड़ा है परन्तु सबकुछ जानने के बाद भी जिला प्रशासन के जिम्मेदार मौन है जबकि वे जानते हैं कि आरोपी कौन है। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी ने जिला प्रशासन को याद दिलाया कि विगत वर्षों में कांग्रेस ने किसानों के अधिकारियों को लेकर चौरई में एक आंदोलन किया था जिस पर प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुये कांग्रेस के 22 निर्दोष कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें दोषी करार दिया है। माननीय भोपाल न्यायालय ने सम्पूर्ण पड़ताल के उपरांत उन्हें दोषमुक्त सिद्ध किया परन्तु भुतेरा में ज्ञात आरोपियों द्वारा किये गये कृत्य के उपरांत भी उनका खुला घूमना और निर्माण कंपनी के मुखिया का फरार होना पुलिस की भूमिका पर भी अंगुली उठाता है। पुलिस द्वारा बनाये गये फोनो फ्रेन्ड और बरती जा रही लापरवाही के कारण ही आज समूचा क्षेत्र रेत व मुरम के अवैध उत्खन्न का टापू बन गया है। श्रीमती चौधरी ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुये अपेक्षा की है कि ईमानदार और जिम्मेदार अधिकारी इस भर्राशाही को रोकने में पहल करें ।

हे स्वामी नमोस्तु, नमोस्तु, नमोस्तु से गूंज उठी द्वारावती नगरी

श्रावकगणों ने नवदा भक्ति पूर्वक दिया मुनिराज नेमी प्रभु को आहार - समवशरण में खीरी दिव्यध्वनि

छिन्दवाड़ा/ महरौन - उत्तर प्रदेश की धर्म नगरी ललितपुर के महरौनी में चल रहे श्री 1008 नेमिनाथ दिगम्बर जिनबिंम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिवस गुरुवार को सकल जिनवाणी तत्वरसिक जैन समाज ने भक्ति भाव पूर्वक प्रभु का ज्ञानकल्याणक महोत्सव मनाया।प्रातःकाल की मंगल बेला पर हे स्वामी नमोस्तु, नमोस्तु, नमोस्तु से द्वारावती नगरी गुंजायमान हो उठी जहां बरदत्त राजा - रानियों सहित श्रावक-श्राविकाओं ने महामुनिराज नेमिनाथ को नवदा भक्ति भाव पूर्वक पड़गाहन कर आहार दिया और अपना जीवन धन्य किया।मुनिराज निर्विघ्न आहार करके वन गमन कर गए जिनके साथ हजारों श्रावकगणों ने दिगम्बर महामुनिराज की भक्ति कर उनकी जयघोष करते हुए उनका गुणगान किया।

30 युवाओं को किये गये आफर लेटर वितरित

छिन्दवाड़ा 11 जनपद पंचायतों में 5 से 20 जून तक रोजगार मेले संपन्न हुये । इन रोजगार मेलों में जेड सिक्युरिटी मल्टीपरपस कंपनी नागपुर द्वारा 238 प्रतिभागियों का पंजीयन कर 150 बेरोजगार युवाओं का चयन किया गया ।

अध्यात्म के माध्यम से ही धर्म की रक्षा होगी: जसूजा

सेवा निवृति पर रामायण की प्रतियां भेंट दी

छिंदवाड़ा। अध्यात्म के माध्यम से ही हम धर्म की रक्षा कर सकते है,धार्मिक किताबे पढ़ने की आदत हमें बचपन से ही डालना चाहिये, रामायण हमारा महान ग्रंथ है, उक्त बातें स्टेट बैंक के चीफ मैनेजर बलराम जसूजा ने एकल अभियान के हरि कथा के व्यास कथाकारो से ही, उन्हें सभी व्यास कथाकारों को एक-एक रामायण की प्रतियां भेंट की, श्री जसूजा 30 जून को सेवानिवृत हो रहे है, इस अवसर उन्होने रामायण की प्रतियां का वितरण एवं वृक्षारोपण करेंगे। कार्यक्रम में एकल अभियान के संरक्षक गोविन्द चौरसिया, एकल के अध्यक्ष लालदास उईके, हरिकथा की अध्यक्ष श्रीमती शशि प्रभा अग्रवाल, राजकुमार बट्‌टी एवं अन्य कथाकार उपस्थित थे। श्रीमती शशि प्रभा ने बताया कि हरिकथा के कथाकार ग्रामीण क्षेत्रों में हरिकथा एवं रामायण प्रवचन करती है, लालदास उईके ने बताया कि जिले में 360 एकल विद्यालय कार्यरत है जो संस्कार शिक्षा, आरोग्य, वृक्षारोपण एवं जनजागृति पर कार्य कर रहे है।

राष्ट्रीय मजदूर सेना ने किया महामहिम राज्यपाल का स्वागत

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा प्रवास पर आई पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राज्यपाल महामहिम सुश्री अनुसूइया जी उइके का राष्ट्रीय मजदूर सेना ने हार्दिक स्वागत किया।राष्ट्रीय मजदूर सेना के जिलाध्यक्ष एड.रमेश लोखंडे,महामंत्री एड.राजेश सांगोडे, साहित्यकार एस.आर.शेंडे एवं शुभचिंतकों ने उनके छिन्दवाड़ा स्थित निवास स्थान पर जाकर उन्हें गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।सभी ने महामहिम राज्यपाल के उज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं की।उल्लेखनीय है कि,सुश्री अनुसूइया ऊइके जी ने छात्र जीवन से राजनीति में कदम रखा,अनेंक महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए जनसेवा की । वें अपने प्रशासनिक दायित्वों का बखूबी निर्वाहन करते हुए बीच बीच मे उनकी जन्मभूमि छिन्दवाड़ा के दर्शन करने,सगे संबंधियों,जिले के निवासियों के सुख दु:खों में सहभागी होने ,शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने की चाहत से निरंतर छिन्दवाड़ा को भेंट देती रही है । जिले का सर्वांगीण विकास उनका प्रमुख लक्ष्य रहा है ।

चौरई में जागरूकता कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा नवम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय सामाजिक न्याय एवं एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के शासकीय कलापथक दल द्वारा गत दिवस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चौरई में योगाभ्यास कराया गया। साथ ही नशामुक्त भारत अभियान, तंबाकू निषेध दिवस और अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में हायर सेकेंडरी स्कूल चौरई के प्राचार्य सोनी, सभी शिक्षकगण, विद्यार्थीगण व आम नागरिक सम्मिलित हुये । कार्यक्रम का संचालन प्रमुख कलाकार नरेंद्र पाल द्वारा किया गया ।

जांच के दौरान 8 वाहनों से लिया एक लाख 89 हजार 680 रूपये जुर्माना/शमन शुल्क

एक बस में फिटनेस संबंधी खामियां अधिक पाये जाने पर फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त

छिन्दवाड़ा। परिवहन आयुक्त द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री मनोज कुमार तेहनगुरिया के मार्गदर्शन में परिवहन जाँच दल द्वारा छिंदवाड़ा शहर के विभिन्न मार्गों सहित नागपुर-पांढुर्णा पर पहुंचकर स्कूल बसों सहित सभी बसों की बारीकी से जाँच की गई जिसमें शहर में संचालित स्कूल बसों को सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार रोड पर संचालित बसों को एवं स्कूलों मे पहुंचकर वाहनों की पूर्णतः पेपर सहित फिटनेस की जाँच की गई । साथ ही शहर के विभिन्न मार्गों सहित नागपुर-पांढुर्णा पर संचालित बसों के संचालकों द्वारा यात्रियों से बलपूर्वक अधिक किराया लेने और क्षमता से अधिक सवारी बसों मे बैठाये जाने सहित वाहनों में किराया सूची नहीं लगी पाये जाने की मिल रही शिकायतों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को देखते हुए परिवहन जाँच दल द्वारा शहर के मार्ग पर सवारी बसों की फिटनेस संबंधी बारीकी से जाँच की गई जो आने वाले समय में भी निरंतर जारी रहेगी एवं जिस वाहन में कुछ विशेष खामियां पाई जायेगी तो ऐसे वाहनों को यथा स्थान सवारी खाली करवाकर उस सवारी वाहन का तत्काल फिटनेस निरस्त किया जायेगा ।अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री तेहनगुरिया ने बताया कि जिन वाहनों में मध्यप्रदेश मोटर यान अधिनियम का उल्लंघन पाया गया उन वाहन संचालकों पर तत्काल चालानी कार्यवाही करते हुए 6 वाहनों पर तत्काल चालानी कार्यवाही करते हुये 95 हजार 840 रूपये का जुर्माना लिया गया और 2 अन्य राज्यों से छिंदवाड़ा मार्ग पर संचालित 2 यात्री बस अखिल भारतीय पर्यटन परमिट अनुज्ञा पत्र धारक बसों द्वारा स्टेज कैरिज के रूप मे संचालित पाये जाने पर दोनों यात्री बस क्रमांक ष्टत्19क्र8820 और ष्टत्07ष्टछ्7002 को गत दिवस जप्त कर परिवहन कार्यालय में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया गया था । इन दोनों बस संचालकों से मध्यप्रदेश मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही कर 93 हजार 840 रूपये का शमन शुल्क जमा करवाया गया।

थाना हर्रई क्षेत्रांतर्गत पिता की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

थाना हर्रई पुलिस द्वारा हत्या का खुलासा

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा, अति.पुलिस अधीक्षक संजीव उइके, एवं अनुविभागीय अधिकारी अमरवाडा रविन्द्र मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन मे तथा थाना प्रभारी हर्रई ओमेश मार्को के नेतृत्व में थाना हर्रई के अपराध क्र. 201/2023 धारा 302 ताहि मे पिता की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण-
दिनाँक 21.06.2023 को फरियादीया सावित्री भलावी पति मिथुन भलावी उम्र 28 साल निवासी छोटीबाजार छिन्दवाडा हाल मायका ग्राम सेजवाडा ने रिपोर्ट लेख कराई की दिनाँक 20.06.2023 को दोपहर 3.00 बजे इसके बड़े भाई गया प्रसाद पिता सकतलाल सिरसाम उम्र 35 साल निवासी ग्राम सेजवाडा द्वारा फरियादीया के पिता सकतलाल पिता नेपाल सिरसाम उम्र 56 साल निवासी ग्राम सेजवाडा की कपडा गले मे लपेट कर गला घोट कर हत्या कर दी गई है कि रिपोर्ट पर थाना हर्रई में अपराध क्र. 201/2023 धारा 302 भादवि का आरोपी गया प्रसाद सिरसाम के विरूद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

कार्यवाही - वरिष्ट अधिकारीयो के मार्गदर्शन मे थाना हर्रई पुलिस द्वारा आरोपी गयाप्रसाद पिता सकतलाल उम्र 35 साल निवासी ग्राम सेजवाडा थाना हर्रई को घेराबंदी कर अभिरक्षा में लेकर हिकमत अमली से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा बताया गया की पिता द्वारा काम नही करने को लेकर तथा शराब पीने पर डाटने पर गुस्सा होकर पिता की बेलन मारकर तथा कपड़े से गला घोट कर हत्या करना स्वीकार किया।

जप्त मसरूका - घटना में प्रयुक्त एक लकडी का बेलन एवं कपडा जिसमे मृतक का खून लगा हुआ है।गिरफ्तार आरोपी गयाप्रसाद पिता सकतलाल सिरसाम उम्र 35 साल निवासी ग्राम सेजवाडा थाना हर्रई जिला छिन्दवाडा।

महत्वपूर्ण भूमिका - थाना हर्रई से निरीक्षक ओमेश मार्को, उप निरी शिव सिंह बघेल, सउनि सुधीर शर्मा आर. 794 निलेश पाल, आर. 954 नीतेश सिंह, आर 789 देवी प्रसाद, आर. 1067 सागर परवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज ससंघ का हुआ आगमन, समाज बंधुओं ने की अगवानी

अमरवाड़ा. आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य विभव सागर जी महाराज अपने श्री संघ के साथ नरसिंहपुर मार्ग से अमरवाड़ा गुरुवार की शाम को हुआ पूज्य आचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज के साथ मुनि श्री 108 विभास्वर सागर जी, मुनि श्री 108 आचरण सागर जी, मुनि श्री 108 अध्ययन सागर जी, मुनि श्री 108 आवश्यक सागर जी, मुनि श्री 108 सिद्धधान्स सागर जी, मुनि श्री 108 शुद् धोपयोग सागर जी, मुनि श्री 108 सुख सागर जी क्षुल्लक श्री 105 व्रत सागर जी, क्षु श्री 105 सफल सागर जी महाराज गुरुवार को सुरला खापा से मंगल विहार करके संघ की आहार चर्या जुंगावानी में होने के पश्चात श्री 108 आचार्य विभव सागर जी महाराज अपने मुनि संघ के संघ संध्याकालीन 6~00 धर्म नगरी अमरवाड़ा के मुख्य द्वार मैं अमरवाड़ा जैन समाज और नगर वासियों के द्वारा बैंड बाजों के साथ नरसिंहपुर रोड से भव्य अगवानी की गई वही समाज बंधुओं के द्वारा अपने घरों के सामने पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया गया आचार्य श्री ने जैन मंदिर में अपने प्रवचन के दौरान कहा कि जैन धर्म अध्यात्म वादी संतों का धर्म है जैन धर्म तारने वाला है यह पत्थर की नौका नहीं है यह काष्ठ कि नौका है यह जैन धर्म रूपी नौका स्वयं भी पार होती है और दूसरों को भी पार लगा देती है तारण तरण दिगंबर जैन समाज अमरवाड़ा के पंडित धन्य कुमार जी ,परम संरक्षक देवेंद्र कुमार जैन पत्रकार, अध्यक्ष अमित कुमार जैन, धर्म प्रेमी चौधरी कैलाश कुमार जैन ,कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार समस्त समाज तथा नगरवासी ढोल बाजों के साथ पूज्य श्री की अगवानी कर तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय जी लेकर आएं आचार्य श्री रात्रि विश्राम तारण भवन अमरवाड़ा में करेंगे शुक्रवार को सुबह पूजन पश्चात पूज्य श्री के धर्म उपदेश प्रवचन होंगे तत्पश्चात नगर में श्री संघ आहार चर्या के लिए निकलेंगे समाज के सचिव धर्म प्रेमी चौधरी शैलेंद्र कुमार जी ने इस अवसर पर समस्त नगरवासियों से आचार्य श्री एवं श्री संघ की अगवानी एवं प्रवचन मैं शामिल होने की अपील की है।

15 वर्ष बाद अमरवाड़ा आए आचार्य श्री108 विभव सागर - धर्म नगरी अमरवाड़ा में 15 वर्ष पूर्व 2008 मैं आचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज ससंघ का आगमन हुआ था और उन्होंने इस दौरान कहा था कि मैं अमरवाड़ा वापस फिर से आऊंगा इस अवसर पर आचार्य श्री का मंगल विहार गिरा गिरी तीर्थराज की ओर चल रहा था तब अमरवाड़ा के वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय ऋषभ कुमार जैन द्वारा मंगल विहार कराया गया था 22 जून को जब 15 वर्ष बाद महाराज जी का अमरवाड़ा आगमन हुआ तो उन्होंने प्रवचन के दौरान बताया कि हमारे साथ 300 किलोमीटर की यात्रा स्वर्गीय ऋषभ कुमार जैन के द्वारा मंगल विहार कराया गया था जिनक आज पुण्यतिथि है अमरवाड़ा जैन मंदिर में महाराज श्री ने प्रवचन दिए इस दौरान बड़ी संख्या में समाज बंधु भी मौजूद रहे

इंडिया ओपन इंटरनेशनल कराते प्रतियोगीता...

रूपाली दिलीप निमजे व हिमेश राजेश खैरवासिया ने जीता कांस्य पदक

सौसर। विगत 17 एवम 18 जुन को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजीत इंडिया ओपन इंटरनेशनल कराते प्रतियोगीता में सौंसर के संजय मार्शल आर्ट स्कूल के 4 कराते खिलाड़ियों का चयन हुआ था जिसमे सभी खिलाड़ियों ने अपने अपने आयु एवं वजन वर्ग मे प्रतिभागीता की थी जिसमें रूपाली दिलीप निमजे कैडेट में -54 किलो भार में कास्य पदक प्राप्त किया एवं हिमेश राजेश खैरवासिया ने जूनियर में-50 किलो भार मे कास्य पदक प्राप्त किया वही दर्शन पंकज लोनारे एवं कल्यानी गोविन्द विश्वकर्मा का सराहनिय प्रदर्शन रहा इस प्रतियोगीता में 10 देशों की टीमों ने प्रतिभागीता की थी संजय मार्शल आर्ट स्कूल के संचालक एवं मुख्य कराते प्रशिक्षक संजय भुजाडे ने बताया की यह प्रतियोगीता बहोत टफ थी फिर भी हमारे कराते खिलाड़ियों ने ईस प्रतियोगीता में अच्छा प्रदर्शन किया हमे उम्मीद है कि अगली बार होने वाली प्रतियोगीता मे निश्चित ही स्वर्ण पदक जितेंगे खिलाड़ियों के घर वापसी पर संस्था के पदाधिकारियो ने एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने लगाए आंवला ,करंज और कचनार के पौधे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में आंवला, करंज और कचनार के पौधे रोप। भोपाल के पूर्व महापौर आलोक शर्मा तथा इंस्टाग्राम इनफ्लुएंसर सार्थक भगत ने भी पौधे लगाए।

पीएम आवास योजना के 10 मकान तोड़ने पर दिग्विजय सिंह भड़के

अफसरों को फटकारा, गोविंद राजपूत ने आरोपों का किया खंडन

सागर। जिले के सुरखी में वन विभाग द्वारा पीएम आवास योजना के तहत बने 10 मकान तोड़ने के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने सिंधिया समर्थक मंत्री गोविंद सिंह पर मकान तुड़वाने का आरोप लगाया। दिग्विजय सिंह ने घटनास्थल पर ही धरना दे दिया। इधर मंत्री गोविंद राजपूत का कहना है कि उन्होंने किसी तरह के अतिक्रमण को तोड़ने के आदेश नहीं दिए थे, यह कार्रवाई वन विभाग ने की है। अब सरकार सभी पीड़ितों को मकान बनाकर देगी। प्रशासन ने डिप्टी रेंजर को सस्पेंड कर दिया है।

गुरुवार दोपहर दिग्विजय सिंह पीड़ितों से मिलने सुरखी के रैपुरा ग्राम में पहुंचे। उन्होंने जमीन पर बैठकर सभी पीड़ित से बात की। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के रैपुरा गांव में दलित और आदिवासी समाज के मकानों पर वन विभाग की टीम ने राजस्व और पुलिस विभाग के अमले के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चला दिया। इस कार्रवाई की जानकारी जैसे ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को लगी, तो उन्होंने सुबह ट्वीट कर इस कार्रवाई का विरोध किया। टूटे मकानों में प्रधानमंत्री आवास के मकान भी शामिल है। प्रशासन की कार्यवाही पर घटना से नाराज दिग्विजय सिंह पीड़ितों के साथ जमीन पर ही धरने पर बैठ गए और उनकी व्यथा सुनी।

पुलिस कर्मियों की अभद्रता की भी बात सामने आई। पीड़ितों ने प्रशासन के सामने पूरी बात रखी। कुछ नोटिस पर हस्ताक्षर ही नहीं थे। मौके पर मिलान हुआ तो अंतर भी निकला। इसके बाद दिग्विजय

सिंह ने कहा कि जब तक इन पीड़ितों को न्याय नहीं मिल जाता यही बैठेंगे। बाद में कलेक्टर के लिखित आश्वासन से मामला सुलझाया। इसमें पीड़ितों के आवास और उनके भरष पोषण की बात लिखी। पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि पीएम आवास किसके निर्देश पर तोड़े गए, इसकी जांच होना चाहिए? दोषियों पर अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज हो! उन्होंने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर निशाना साधते हुए कहा कि मंत्री के निर्देश पर कारवाई हुई, तो उनको शिवराज सिंह हटाए और कार्यवाई करे। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के मकान तोड़ना पीएम मोदी के मुंह पर तमाचा है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए। बरसात में इनके रुकने ठहरने के छह महीने तक इंतजाम का होना चाहिए।

वन विभाग की थी जमीन

दक्षिण वन मंडल के डीएफओ महेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम रैपुरा में वन विभाग की भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है। बुधवार (21 जून) को रैपुरा ग्राम में वन विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग की कार्रवाई में वन भूमि पर अवैध रूप से काबिज लोगों का अतिक्रमण हटाया गया। एक वर्ष से अतिक्रमण हटाने की प्रकिया चल रही थी। इन लोगों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 27 पी धारा भी दर्ज किया गया था। धारा सी का नोटिस भी दर्ज दिया गया। कई बार नोटिस देकर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था।

गोविंद राजपूत ने कहा, उन्हें पट्टे दिए जाएंगे और मकान बनवाएंगे

सुरखी विधानसभा से विधायक और राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का बयान भी सामने आया। मंत्री राजपूत का कहना है कि आज मैंने सुबह दिग्विजय सिंह जी का ट्वीट देखा। उन्होंने कहा सुरखी विधानसभा क्षेत्र के कुछ मकान तोड़े गए हैं, जो कि दलितों के हैं. मैंने कलेक्टर से बात की है। वन विभाग के अधिकारियों के साथ डीएफओ से बात की, तो डीएफओ ने बताया कि वह वन विभाग की जगह थी, तो अतिक्रमण हटाया गया है। मैंने कहा उनका सही नाप किया जाए फिर से देखा जाए। अगर उनके पास जगह नहीं है, तो उनको पट्टे दिए जाएं उनको भी विस्थापित किया जाए। उन्होंने बताया कि इस मामले में लापरवाही बरतने पर रेंजर लखन सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 27 अफसर आईएएस बनाए गए

सांध्यप्रकाश समाचार

भोपाल। राज्य प्रशासनिक सेवा के 27 अफसर आईएएस बनाए गए हैं। भारत सरकार ने गुरुवार को इसकी सूची जारी कर दी है। जिसमें राजेश कुमार जैन, प्रमोद कुमार शुक्ला, गजेंद्र सिंह नागेश, प्रताप नारायण यादव, अनुराग सक्सेना समेत 27 अफसरों के नाम शामिल हैं।

आईएएस बनने वाले अधिकारियों में राजेश कुमार जैन, प्रमोद कुमार शुक्ला, गजेंद्र सिंह नागेश, प्रताप नारायण यादव, अनुराग सक्सेना, अनुराग सक्सेना, मालिका निगम नागर, सपना पकंज सोलंकी, मंजूषा विक्रांत राय, अजीजा सरशार जफर, संघमित्रा गौतम, संजना जैन, सुचिस्मिता सक्सेना, कीर्ति खुरासिया, जगदीश कुमार, दिशा प्रणय नागवंशी, देवेन्द्र कुमार नागेंद्र, मनोज सरियाम, जीएस धुर्वे, रामप्रकाश अहिरवार, संदीप केरकेट्टा, अंजली जोशेफ, रेखा राठौर, नवील कुमार धुर्वे, सोजान सिंह यादव, वंदना शर्मा, अर्चना सोलंकी शामिल हैं।

विश्व ओलंपिक दिवस पर आज भोपाल में दौड़ का आयोजन किया गया।

राजधानी में आज बारिश का दौर जारी है।

पीसीसी में आज प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने पुण्य तिथि पर संजय गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

आरटीआई का आवेदन लेने से इंकार ग्राम पंचायत सचिव को पड़ा महंगा

- **राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने लगाया जुर्माना**

भोपाल। लगातार बार-बार आरटीआई का आवेदन लेने से इंकार करना रीवा के एक ग्राम पंचायत सचिव को महंगा पड़ गया। राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने तीन अलग-अलग मामलों में लखपत यादव के विरुद्ध कुल 30 हजार रुपए का जुर्माना और अनुशासनिक कार्रवाई का आदेश भी जारी किया हैं। आयोग इसके पहले भी एक और मामले मे लखपत यादव के विरुद्ध ?5000 का जुर्माना लगा चुका है।

रीवा के नौबस्ता गांव के सत्यनारायण त्रिपाठी ने तीन बार आरटीआई आवेदन को डाक से लखपत यादव को भेजा था। पर तीनों बार पंचायत के सचिव लखपत यादव ने डाक को लेने से इंकार कर दिया। डाकिए ने भी तीनों डाक लिफाफे के उपर एक टीप दर्ज कर दी कि लखपत यादव ने डाक लेने से इंकार किया है। इन तीनों आरटीआई आवेदन में त्रिपाठी ने गांव में हुए विकास कार्य का लेखा-जोखा मांगा था। पर पंचायत सचिव जानकारी देना ही नहीं चाहते थे। सतनारायण त्रिपाठी ने तीनों मामलों में अलग-अलग शिकायतें राज्य सूचना आयोग के समक्ष सीधे दर्ज कर दी यह कहते हुए की पंचायत सचिव जानबूझकर कर उनकी डाक लौटा रहे ताकि आरटीआई के तहत जानकारी नही देना पड़े।

सिंह : डाक लौटाने वाला जानता है डाक में क्या है- राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने इन प्रकरणों में लखपत यादव को जिम्मेदार मानते हुए 25 25 हजार और अनुशासनिक कार्रवाई का शो कॉज नोटिस जारी किया था। भोपाल स्थित सूचना आयोग कार्यालय में लखपति यादव को सुनवाई के लिए तलब किया गया। यादव ने आयोग के सामने डाक को लौटाने की घटना से ही इंकार कर दिया। उसने ये भी कहा कि उसे नहीं मालूम कि डाक किसने लौटाई। पर सूचना आयुक्त राहुल सिंह के सामने की दलील काम नहीं आई। सिंह ने यादव से सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या वे डाक विभाग से या अपने स्वयं के कार्यालय से कोई ऐसा साक्ष्य ला सकते है जिससे यह साबित हो कि डाक उनके द्वारा नहीं लौटाई गई है। सिंह ने कहा की डाक विभाग भी शासकीय विभाग और डाकिए की टीप से स्पष्ट है कि डाकिए ने लखपत यादव को संपर्क किया था और संपर्क करने के बाद जब डाक लेने से मना किया तब डाकिए ने लिफाफे के ऊपर टीप दर्ज कर डाक वापस किया। सिंह ने यह भी कहा कि लिफाफे के ऊपर लोक सूचना अधिकारी लिखा हुआ था तो वापस करने वाले को मालूम था डाक आरटीआई आवेदन से संबंधित है, इसलिये डाक को जानबूझकर लौटा दिया गया ताकि जानकारी ना देना पड़े।

आयोग के सामने खुली सचिव की कुंडली- आयोग के सामने अधिकारी की खुली कुंडली। सुनवाई के दौरान ही राज्य सूचना आयुक्त ने जब अपने कार्यालय से लखपत यादव की जानकारी ली तो यादव की पूरी कुंडली खुल गई। वे आदतन आरटीआई आवेदन को लेने से इंकार करते रहे है। आयोग ने पूर्व के एक और प्रकरण में इन पर ?5000 के जुर्माने की कार्रवाई भी की थी। वही इसके पहले भी लखपत यादव के डाक लौटाने के एक और मामले में यादव के जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के ऊपर भी आयोग कार्रवाई कर चुका है। दरअसल यादव ने जब डाक लौटाई तो आरटीआई आवेदक ने आरटीआई आवेदन जनपद पंचायत रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भेज दिया। पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने भी ऋञ्जढ्ढ आवेदन वापस आवेदक को ही भेज दिया यह कहते हुए कि आरटीआई आवेदन पंचायत सचिव के पास दायर किया जाए। वही हाल ही में भ्रष्टाचार के एक मामले में लखपत यादव को पंचायत विभाग ने निलंबित किया था।

सिंह -ऋञ्जढ्ढ लेने से कोई इंकार नही कर सकता

आयोग के समक्ष पहुंचा तो राज्य सूचना आयुक्त ने इस बात पर आपत्ति ली कि कोई अधिकारी आरटीआई आवेदन को वापस नहीं लौटा सकता है उसे आरटीआई एक्ट के अधीन प्रकरण को आवेदन को अंतरित करना चाहिए था। सिंह इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अधिकारियों और लोक सूचना अधिकारी की मिली-जुली कुश्ती चल रही है जिसमें हर स्तर पर डाक लौटाई जा रही थी यह मानते हुए कि कानून के प्रति किसी की कोई जवाबदेही नहीं बनेगी। राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने स्पष्ट किया कि आरटीई एक्ट की धारा 3 और 6 के तहत इस देश के हर नागरिक को आरटीआई दायर करने का अधिकार प्राप्त है और कोई भी अधिकारी आरटीआई आवेदन को लेने से इंकार नहीं कर सकता है। सिंह ने आदेश में यह भी जानकारी दी कि अगर जानकारी विभाग से संबंधित नहीं है तो अधिकारियों को धारा 6 (3) के तहत आरटीआई आवेदन 5 दिन के भीतर संबंधित विभाग को अंतरित करना होगा।

आयोग ने की ये कार्रवाई

सूचना आयोग ने प्रकरण में कार्रवाई करते हुए लखपत यादव के ऊपर 2 प्रकरणों में 15000-15000 रुपए का जुर्माना लगाया। वही तीसरे मामले में बार बार आरटीआई आवेदन लेने से इंकार करने को राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम के विरुद्ध बताते हुए पंचायत विभाग के विकास आयुक्त को लखपत यादव के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है।

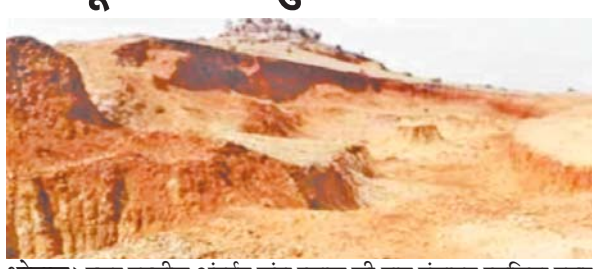

अमृत सरोवर के नाम पर कर दी पहाड़ की खुदाई, रेलवे ठेकेदार ने लापरवाही पूर्वक किया मुरम का खनन

भोपाल। हुजुर तहसील अंतर्गत फंदा ब्लाक की ग्राम पंचायत रसूलिया पठार और झिरनिया पंचायत में सरकार ने भूजल में बढ़ोत्तरी करने के उद्देश्य से अमृत सरोवरों का निर्माण करवाया है। इन अमृत सरोवरों से दोहरा लाभ कमाने के लिए रेलवे को एक महीने खोदाई की अस्थायी अनुमति दी गई लेकिन रेलवे ने

अनुमति अवधि से हटकर एक से डेढ़ महीने ज्यादा समय तक लापरवाही से खोदाई कर अपना काम तो कर लिया लेकिन अमृत सरोवर का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा। जिससे पानी आने वाली जगह ऊंची रह गई और निकासी की जगह नीची इस कारण वर्षा का पानी अमृत सरोवर में संरक्षित नहीं हो सकेगा और न ही भूजलस्तर में वृद्धि होगी। मानसून की वर्षा में रतनपुर अमृत सरोवर आधा भर चूका है जबकि इंजीनियर का कहना है की 16 हजार क्यूबिक पानी की क्षमता वाले अमृत सरोवर हमने बनवाए हैं।जिसमें पानी संरक्षित होता प्रतीत नहीं हो रहा है।

भ्रष्टाचार का पैमाना इतना बड़ा है कि जहां एक महीने की अनुमति दी गई वहां लगभग 20 डंपरों और दो पोकलेन मशीनों से पहाड़ को रात दिन काटकर रेलवे ठेकेदार ने अपनी जरुरत पूरी की। इसमें न तो कोई खनिज का अधिकारी मोके पर पहुंचा न पटवारी ने देखा न ही निर्माण एजेंसी ने रोका। जब नवदुनिया टीम ने मोके पर जाकर डंपर चालक से अनुमति दिखाने का कहा तो उजागर हुआ की खोदाई की अनुमति फरवरी माह के लिए थी जो मार्च में भी बेरोकटोक चल रही थी ।

पठार पंचायत के रतनपुर अमृत सरोवर पर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इसका काम पूरा हो चूका है जबकि झिरनिया पंचायत के कलाखेड़ी सरोवर पर पिचिंग पत्थर बिछाने के कार्य की शुरुआत की गई है। इस अमृत सरोवर के बीचोंबीच नौनिहाल बच्चे उमस से राहत पाने के लिए सरोवर में संरक्षित पानी में नहा रहे थे।

अधिकृत आदेश जारी होने से पहले ही वायरल 24 DSP की कथित तबादला सूची, अब नए सिरे से हो रहा विचार

भोपाल। राज्य पुलिस सेवा के दो दर्जन के लगभग अफसरों के तबादला आदेश जारी होने से पहले ही कथित तबादला सूची सोशल मीडिया पर आ जाने से कई अफसर अपनी मनचाही पोस्टिंग पाने में अब देरी हो सकती है। अब इन अफसरों के तबादलों को लेकर नए सिरे से विचार किया जा रहा है। इधर पुलिस मुख्यालय के अफसर यह पता करने में जुटे हुए हैं कि आखिर यह तबादला सूची वायरल कैसे हुई।

दरअसल इस महीने की शुरूआत में राज्य पुलिस सेवा के दो दर्जन के लगभग अफसरों की तबादला सूची वायरल हो गई। यह सूची ऐसी थी कि कई लोगों को यही लगा कि हकीकत में ही अफसरों के तबादला आदेश जारी

हो गए हैं, लेकिन तबादला आदेश जारी ही नहीं हुए थे।

सूत्रों की मानी जाए तो वायरल सूची में ऐसे ही अफसरों के नाम थे, जिनका तबादला होना है। इनमें से कुछ अफसर उसी जगह पर जाने के प्रयास कर रहे हैं, जो इस सूची में उनकी नई पोस्टिंग के नीचे दिखाई गई। वहीं कुछ अफसरों की पदस्थापना बटालियन और पुलिस मुख्यालय में बता दी गई। ये अफसर अब प्रयास में लग गए हैं कि उनकी पदस्थापना बटालियन या पुलिस मुख्यालय में नहीं हो। इधर पुलिस मुख्यालय में भी यह पता कर रहा है कि आखिर यह कथित तबादला सूची वायरल कैसे हुई। हालांकि जो तबादला सूची जारी हुई उसमें पुलिस मुख्यालय का कोई भूमिका नहीं थी। पुलिस मुख्यालय डीएसपी स्तर के अफसरों के तबादले नहीं करता है।

पीएम का दौराः चार हजार का पुलिस बल होगा तैनात, 20 आइपीएस भी सुरक्षा करेंगे निगरानी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 27 जून के भोपाल दौरे को लेकर अफसरों का पूरी निगरानी सुरक्षा पर है। कार्यक्रम स्थल की अभेद्य सुरक्षा को लेकर रणनीति बना ली गई है। सुरक्षा बल, पुलिस अधिकारियों के बीच बैठकें भी की जा रही हैं, जिसमें एसपीजी समेत पुलिस के आला अधिकारी मौजूद रहते हैं। मोदी की सुरक्षा के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रधानमंत्री की आंतरिक सुरक्षा के पहले घेरे में एसपीजी कमांडो, दूसरी-तीसरी सुरक्षा में मप्र के एटीएस के कमांडो, केंद्रीय खुफिया एजेंसी के साथ और सेंट्रल पैरामेलेट्री फोर्स के जवान शामिल रहेंगे। केंद्रीय खुफिया एजेंसियां भी प्रधानमंत्री के भोपाल दौरे को लेकर सक्रिय हैं।आखरी में एसपीजी ही सभी सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप देगी।इसके अलावा में ड्रोन चौकसी के लिए एंटी ड्रोन भी तैयार किए जा रहे हैं।

बिपरजॉय तूफान रीवा-शहडोल की तरफ बढ़ा

बलपुर, पचमढ़ी, छिंदवाड़ा में बारिश, 8 जिलों में अलर्ट, 2 दिन में मानसून की एंट्री

भोपाल। निवाड़ी-टीकमगढ़ में भारी बारिश कराने वाला बिपरजॉय तूफान अब रीवा-शहडोल में शिफ्ट हो गया है। इससे शुक्रवार को रीवा और शहडोल संभाग के 8 जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। रीवा, शहडोल के अलावा सतना, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, डिंडोरी और अनूपपुर में 3 इंच या इससे ज्यादा बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर संभाग में भी बारिश होने की संभावना है।

जबलपुर में शुक्रवार सुबह से रुक-रुक कर रिमझिम, तो कभी तेज बारिश हो रही है। छिंदवाड़ा में भी बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया है। सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में भी इस सीजन की पहली बारिश हुई। सीनियर मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि बिपरजॉय अभी कम दबाव के क्षेत्र के रूप में उत्तरप्रदेश के मध्य एरिया में एक्टिव है। इससे उत्तरप्रदेश से सटे ग्वालियर-चंबल के जिलों के साथ टीकमगढ़, निवाड़ी में बारिश की एक्टिविटी देखने को मिली। निवाड़ी और टीकमगढ़ में गुरुवार को भारी बारिश हुई। यह ईस्ट एरिया की ओर शिफ्ट हो रहा है। इस बीच अगले 2 दिन में प्रदेश में मानसून की एंट्री हो सकती है। अब की बार यह बंगाल की खाड़ी की तरफ से पहले आएगा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया, मानसून की दूसरी ब्रांच बंगाल की खाड़ी अभी एक्टिव है। गुरुवार को ओडिशा और छत्तीसगढ़ में मानसून पहुंच गया। शुक्रवार और शनिवार को भी वहां एक्टिविटी रहेगी। मानसून के आगे बढ़ने के चलते यह मध्यप्रदेश में अगले 48 से 72 घंटों में एंट्री कर लेगा। प्रदेश के पूर्वी हिस्से से यह आएगा। शहडोल, अनूपपुर, बालाघाट, डिंडोरी, उमरिया, मंडला से मानसून एंटर करेगा और फिर आगे बढ़ेगा।

भोपाल में बादलों की एक्टिविटी बढ़ रही है। इसके चलते मौसम बदला रहेगा दोपहर तक गर्मी का असर देखने को मिल सकता है, लेकिन इसके बाद बारिश होने का अनुमान है। इससे तापमान में भी गिरावट होगी।

शोक संदेश

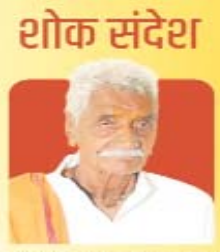

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है की पूज्य स्वर्गीय श्री परमानंद शर्मा जी के प्रिय अनुज एवं श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक हुजूर के पूज्य चाचा जी

श्री गंगा राम जी शर्मा

(पुत्र स्वर्गीय श्री दातार शर्मा जी)

का देवलोक गमन आज प्रातः हो गया है।

जिनकी अंतिम यात्रा आज सायं: 05 बजे निज निवास 65 पत्रकार कॉलोनी, लिंक रोड न. 3 से भदभदा विश्राम घाट जाएगी

शोकाकुल

रामदयाल शर्मा,(भतीजा) । रामेश्वर शर्मा,विधायक (भतीजा)

9425004111, 6261437105, 930009340